राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार, 17 जुन 2022 वर्ष–5,अंक–142 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

असम में भारी बारिश से बेहाल हुए लोग, मूसलाधार बारिश से गयी एक की जान

करीमगंज। मई में राज्य के कई जिलों में भारी बाढ़ और भूस्खलन के बाद असम एक बार फिर लगातार बारिश की चपेट में है। असम के करीमगंज में भारी बारिश के बीच, एक ऑटो-रिक्शा पर पेड़ गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। घटना बुधवार को करीमगंज फायर सर्विस स्टेशन के पास हुई। पुलिस के अनुसार, मृतक व्यक्ति की पहचान अजहर उद्दीन के रूप में हुई है और वह ऑटोरिक्शा का चालक था। ऑटो में सवार घायलों को अस्पताल ले जाया गया। राज्य के अन्य हिस्सों के साथ-साथ करीमगंज जिले में भी लगातार बारिश हो रही है। करीमगंज के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) गीतार्थ देव सरमा ने कहा, करीमगंज दमकल स्टेशन के पास एक ऑटो-रिक्शा पर एक पेड़ गिर गया और चालक सहित तीन लोग घायल हो गए। हमने उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन चालक ऑटोरिक्शा की अस्पताल में मौत हो गई।

7,000 से अधिक लोग हुए प्रभावित-बुधवार को हुई बारिश के साथ ही राज्य का दीमा हसाओ जिला बाढ़ और भूस्खलन का सामना कर रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मूसलाधार बारिश के कारण पहाड़ी जिले के कई हिस्सों में भूस्खलन हुए हैं। इस बीच, तामूलपुर जिले में कई गांव बाढ़ के पानी में डूब जाने से 7,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं।

कई नदियों का बढ़ा जलस्तर

पिछले कुछ दिनों से हो रही नियमित बारिश के कारण बोरोलिया, पगलाडिया और मोटोंगा नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। तामूलपुर में कई नदियों के बाढ़ के पानी ने केकेरीकुची, द्वारकुची, और बोडोलैंड चौक सहित कई गांवों को जलमग्न कर दिया है और सड़कों के साथ क्षेत्र में हजार बीघे के फसल क्षेत्र को जलमग्न कर दिया है।

अग्निपथ स्कीम पर लगातार दूसरे दिन बिहार में बवाल, सहरसा, मुंगेर और जहानाबाद में रेल-सड़क मार्ग जाम; आगजनी

झारखंड के राज्यपाल की ओर से मिले आदेश के बाद रांची पुलिस ने 14 जून को शहर में कई जगह 33 पत्थरबाजों की तस्वीरों वाले पोस्टर लगाए थे। हालांकि, कुछ देर बाद ही इन्हें उतार लिया गया था।

पटना। बिहार में सेना भर्ती की अग्निपथ योजना का लगातार दूरे दिन भी विरोध हो रहा है। जहानाबाद, मुंगेर समेत अन्य जिलों में अभ्यर्थी गुरुवार सुबह सड़कों पर उतर आए और हाईवे जाम कर दिए। सहरसा में अभ्यर्थियों ने रेलवे ट्रैक जाम कर दिया और राज्यरानी एक्सप्रेस ट्रेन के कोच पर डंडे भी मारे। इससे यात्री खौफ में आ गए। सहरसा-मानसी रेलखंड जाम होने से राज्यरानी एक्सप्रेस और वैशाली एक्सप्रेस ट्रेन रुकी हुई है। जहानाबाद में भी रेलवे ट्रैक जाम होने से एक पैसेंजर ट्रेन दो घंटे से खड़ी है।

जहानाबाद में अग्निपथ योजना के विरोध में आर्मी भर्ती के अभ्यर्थियों ने एनएच 83 पर आगजनी कर विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों के प्रदर्शन के कारण गया पटना मुख्य मार्ग पर

आवागमन थोड़ी देर के लिए प्रभावित हुआ। दूसरी ओर, मुंगेर में सेना बहाली में हुए संशोधन के विरोध में युवाओं ने साफियासराय चौक को अभ्यर्थियों ने जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने आगजनी कर प्रदर्शन किया। इससे एनएच और जमालपुर मुंगेर रोड पर आवागमन पूरी तरह ठप हो गया।

सहरसा में सेना भर्ती परीक्षा रद्द करने और उम्र का दायरा घटाने की मांग को लेकर अभ्यर्थी रेलवे स्टेशन पर पहुंच गए। प्रदर्शनकारियों ने रेलवे ट्रैक जाम कर दिया, इससे दो एक्सप्रेस ट्रेनें स्टेशन पर ही खड़ी रहीं।

बता दें कि एक दिन पहले मुजफ्फरपुर, बक्सर, पटना, भागलपुर समेत अन्य जिलों में भी आर्मी भर्ती के उम्मीदवारों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना का विरोध करते हुए आगजनी और पथराव किया। इसके अलावा रेलवे ट्रैक भी जाम किया गया। इससे कई रेल सेवाएं प्रभावित रहीं। अग्निपथ योजना के तहत केंद्र सरकार चार साल के लिए सेना में अग्निवीरों की भर्ती करेगी।

● जहानाबाद, मुंगेर समेत अन्य जिलों में अभ्यर्थी गुरुवार सुबह सड़कों पर उतर आए और हाईवे जाम कर दिए। सहरसा में अभ्यर्थियों ने रेलवे ट्रैक जाम कर दिया और राज्यरानी एक्सप्रेस ट्रेन के कोच पर डंडे भी मारे। इससे यात्री खौफ में आ गए। सहरसा-मानसी रेलखंड जाम होने से राज्यरानी एक्सप्रेस और वैशाली एक्सप्रेस ट्रेन रुकी हुई है। जहानाबाद में भी रेलवे ट्रैक जाम होने से एक पैसेंजर ट्रेन दो घंटे से खड़ी है।

सावधान! भारत में चौथी लहर की आहट

24 घंटे में सामने आए 12 हजार से अधिक नए केस

नई दिल्ली। भारत में कोरोना की चौथी लहर ने लगभग दस्तक दे दी है।

लगातार नए मामले बढ़ रहे हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, बीते 24 घंटे में 12 हजार से अधिक मामले सामने आए हैं। आपको बता दें कि फरवरी के बाद पहली बार 10 हजार का आंकड़ा पार किया है।

चार किसानों ने की सुसाइड की कोशिश, भाजपा नेता पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली। कर्नाटक से एक ऐसा मामला सामने आया है जहां चार किसानों ने सुसाइड करने का प्रयास किया है। यह तब हुआ जब हावेरी में चार किसानों ने कीटनाशक खाकर सुसाइड करने की कोशिश की। इतना ही नहीं इन सभी का आरोप है कि भाजपा विधायक ने उनसे जमीन में हिस्सा मांगकर परेशान किया है। इसी के चलते उन्होंने ऐसा किया है। दरअसल, यह घटना उत्तरी कर्नाटक के हावेरी का है। इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के मुताबिक यह मामला जमीन विवाद से जुड़ा है। सरकार की तरफ से एक स्कीम के तहत किसानों को जमीन आवंटित की गई थी। आरोप है कि कुछ किसानों को जो

जमीन दी गई उसमें से भाजपा विधायक नेहरू ओलेकर कुछ हिस्सा मांग रहे थे। आरोप है कि विधायक हर किसान से बहुत कम दामों में 5 गुंठा जमीन की डिमांड कर रहे थे।

रिपोर्ट के मुताबिक जहां यह घटना हुई उसे गांव के 29 लोगों को जमीन मिली थी। हर किसान को 1 एकड़ 15 गुंठा जमीन अलॉट हुई थी। इसके बाद चार लोगों ने सुसाइड की कोशिश की। इनमें पंडप्पा लमाणी, गुरुचप्पा लमाणी, गंगवा कबूर और हनुमंथप्पा शामिल हैं। इन चारों ने तंग आकर कीटनाशक पी लिया। इसके बाद इन सभी को अस्पताल में भर्ता कराया गया।

उधर हैरत की बात यह है कि पुलिस ने इन्हीं चारों के ऊपर एफआईआर दर्ज कर दी। इस मामले पर हावेरी के पुलिस अधीक्षक हनुमंत राय का कहना है कि मौका ए वारदात पर जो लोग मौजूद थे, उनके बयान के आधार पर मामला दर्ज किया है। तीन-चार लोगों ने आत्महत्या करने की कोशिश की। उनके खिलाफ हमने मामला दर्ज कर लिया है। जांच के बाद ही मामला साफ हो पाएगा कि पूरा मामला क्या है।

आरोपों पर भाजपा विधायक नेहरू ओलेकर ने कहा कि हमें किसी की जमीन की जरूरत नहीं है। हम लोगों की भलाई के लिए जमीन चाहते हैं। वहीं लोग सवाल उठा रहे हैं कि अलग-अलग किसान बगैर किसी वजह के खुदकुशी की कोशिश क्यों करेंगे। वहीं यह भी आरोप लग रहा है कि पुलिस काफी दबाव में है।

उपद्रवियों के पोस्टर पर भड़की हेमंत सरकार

रांची के SSP से मांगा जवाब; बताया कोर्ट के आदेश का उल्लंघन

रांची। रांची में 10 जून को हुई हिंसा के आरोपियों का पोस्टर शहर के चौराहों पर टांगे जाने पर हेमंत सोरेन सरकार सख्त हो गई है। राज्यपाल की ओर से मिले आदेश के बाद पुलिस ने 14 जून को शहर में कई जगह 33 पत्थरबाजों की तस्वीरों वाले पोस्टर लगाए थे। हालांकि, कुछ देर बाद ही इन्हें उतारना पड़ा था। अब सरकार ने इसे इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश का उल्लंघन बताते हुए एसएसपी से जवाब तलब किया है। सरकार के प्रधान सचिव राजीव अरुण एक्का ने एसएसपी सुरेंद्र कुमार झा को भेजे लेटर में कहा है, 10 जून को रांची में हुई घटनाओं में नाजायज मजमों में कथित रूप से शामिल व्यक्तियों और हिंसा में कथित रूप से शामिल व्यक्तियों के फोटो सहित पोस्टर 14 जून को रांची पुलिस द्वारा लगाए गए,

जिनमें कई व्यक्तियों के नाम और अन्य विवरण भी दिए गए हैं। यह विधिसम्मत नहीं है। लेटर में आगे कहा गया है, यह माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद की ओर से 9 मार्च 2020 को दिए गए आदेश के खिलाफ है। इस संबंध में अपना स्पष्टीकरण पत्र प्राप्ति के दो दिनों के अंदर समर्पित करें। बताया जा रहा है कि हेमंत सरकार इस मामले में एसएसपी पर ऐक्शन ले सकती है। सत्ताधारी पार्टी के अलावा सरकार के मंत्री भी पुलिस के इस कदम की आलोचना कर चुके हैं।

अग्निवीरों के लिए शुरू होगा तीन वर्षीय विशेष डिग्री कोर्स, शिक्षा मंत्रालय ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। अग्निपथ योजना के तहत सेना में भर्ती होने वाले अग्निवीरों के भविष्य को संवारने के लिए शिक्षा मंत्रालय ने तीन वर्षीय एक विशेष डिग्री कोर्स शुरू करने की मंजूरी दी है। जिसका संचालन इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) करेगा। मंत्रालय ने इग्नू को इस खास कोर्स को डिजाइन करने का जिम्मा सौंपा है। जिसका पचास प्रतिशत हिस्सा कौशल विकास से जुड़ा होगा, जबकि पचास प्रतिशत हिस्सा विषय से जुड़ा होगा। कौशल विकास से जुड़े पचास प्रतिशत हिस्से में अग्निवीरों के सेना में दिए गए चार सालों के समय और उनके कार्यों को जोड़ा जाएगा। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की अगुवाई में हुई उच्च स्तरीय बैठक में अग्निवीरों के लिए इस खास कोर्स को शुरू

करने की मंजूरी दी गई है। इसे लेकर तीनों सेनाओं और इग्नू के बीच जल्द ही करार होगा। इसके विशेष कोर्स के फ्रेमवर्क को लेकर सेना के साथ अंतिम दौर की बातचीत चल रही है।

इस खास स्नातक डिग्री कोर्स को लेकर फिलहाल जो मसौदा तैयार किया गया है, उसमें पचास प्रतिशत अंक कौशल से जुड़े प्रशिक्षण के होंगे। जो अग्निवीरों की चार साल की सेवाओं के दौरान तकनीकी व गैर-तकनीकी अनुभव के आधार पर तय किया जायेगा। वहीं बाकी के पचास प्रतिशत अंक विषयों से तय होगा। जिसमें भाषा, इतिहास के साथ अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान,लोक प्रशासन, समाजशास्त्र, वाणिज्य, पर्यटन, कृषि व ज्योतिष जैसे प्रमुख विषयों को शामिल किया गया है।

इसके साथ ही पर्यावरण अध्ययन और संचार कौशल को भी पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। खास बात यह है कि यह खास कोर्स यूजीसी व एआइसीटीई सहित सभी नियामकों की ओर से मान्य होगा। साथ ही यह डिग्री देश और दुनिया में सभी जगह मान्य होगी।

गौरतलब है कि शिक्षा मंत्रालय ने यह कदम अग्निवीरों के भविष्य को भी बेहतर बनाने के लिए उठाया गया है। वहीं सेना का भी फोकस है कि वह अग्निवीरों को सेना से एक सम्मानजनक विदाई दे, ताकि वह सेना से हटने के बाद भी अपने जीवन को बेहतर ढंग से संवार सकें।

जुमे की चिंता: उलेमाओं से मिले मुंबई पुलिस के अधिकारी, प्रदर्शन से बचने की अपील

मुंबई। पैगंबर मोहम्मद पर टिप्पमी विवाद को लेकर तनाव जारी है। इसी बीच मुंबई पुलिस के अधिकारियों ने उलेमाओं से मुलाकात की है। खबर है कि इस दौरान शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों में शामिल नहीं होने की अपील की है। खास बात है कि पिछले शुक्रवार को देश के कई हिस्सों में हिंसा की खबरें सामने आई थी।

एसीपी दिलीप सावंत (दक्षिण), ज्ञानेश चव्हाण (मध्य) और डीसीपी जोन 3 योगेश गुप्ता ने नागपाड़ा के पास बिलाल मस्जिद में उलेमाओं से मुलाकात की। बैठक के बाद मौलाना सैयद मोईनुद्दीन अशरफ ने कहा कि वह प्रदर्शन में शामिल नहीं होने की पुलिस की बात से सहमत हैं। उन्होंने कहा, 'हमने पहले देखा है कि प्रदर्शन हिंसक हो जाते हैं। इसलिए हम ऐसे किसी प्रदर्शन में हिस्सा लेने से बचेंगे। हम प्रकाश आंबेडर से विरोध प्रदर्शन वापस लेने की अपील करते हैं। उन्होंने हमेशा मुस्लिम समुदाय का समर्थन किया है। हमने लोगों से नूपुर शर्मा के खिलाफ पुलिस शिकायत जैसी कानूनी कार्रवाई करने के लिए कहा है।

पैगंबर पर टिप्पणी के खिलाफ वंचित बहुजन अघाड़ी के प्रमुख बाबासाहेब आंबेडकर के पोते प्रकाश आंबेडकर ने बड़े

प्रदर्शन की योजना बनाई है। खबर है कि वह शुक्रवार को नमाज के बाद 17 जून को विरोध जताने की तैयारी कर रहे हैं।

उलेमाओं ने यह भी मांग की है कि पैगंबर मोहम्मद पर टिप्पणी के खिलाफ नूपुर शर्मा को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। रजा एकेडमी के मौलाना सईद नूरी ने कहा, मैंने नूपुर शर्मा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। उन्हें अलग-अलग मामलों में समन भेजा गया है। हम उनकी गिरफ्तारी की अपील करते हैं। खास बात है कि पुलिस ने यह साफ किया है कि उन्होंने BVA की प्रदर्शन की योजना को अनुमति नहीं दी है। पुलिस अधिकारी चव्हाण ने कहा, ''हम उलेमाओं से विरोध प्रदर्शन में शामिल नहीं होने की अपील करते हैं। हमने उनसे समुदाय के लोगों से प्रदर्शन में शामिल नहीं होने की अपील करने के लिए कहा है। उन्होंने सहयोग का वादा किया है।

उलेमाओं ने यह भी मांग की है कि पैगंबर मोहम्मद पर टिप्पणी के खिलाफ नूपुर शर्मा को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। रजा एकेडमी के मौलाना सईद नूरी ने कहा, मैंने नूपुर शर्मा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार महान सौंदर्य, अत्यधिक ताकत, बहुत धन का वास्तव में कुछ खास उपयोग नहीं है। एक सच्चा हृदय सबसे ऊपर है। - बेंजामिन फ्रेंकलिन

संपादकीय

पश्चिम एशिया में नया चौगुटा

(लेखक/-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन अगले माह सउदी अरब की यात्रा पर जा रहे हैं। उस दौरान वे इस्राइल और फलस्तीन भी जाएंगे लेकिन इन यात्राओं से भी एक बड़ी चीज जो वहां होने जा रही है, वह है— एक नए चौगुटे की धमाकेदार शुरुआत! इस नए चौगुटे में अमेरिका, भारत, इस्राइल और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) होंगे। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में जो चौगुटा चल रहा है, उसके सदस्य हैं— अमेरिका, भारत, जापान और आस्ट्रेलिया। इस और उस चौगुटे में फर्क यह है कि उसे चीन-विरोधी गठबंधन माना जाता है जबकि इस पश्चिम एशिया क्षेत्र में चीन के जैसा कोई राष्ट्र नहीं है, जिससे अमेरिका प्रतिद्वंद्विता महसूस करता हो। इसके अलावा इस चौगुटे के तीन सदस्यों का आपस में विशेष संबंध बन चुका है। भारत और सं.अ.अ. के बीच मुक्त व्यापार समझौता है तो ऐसा ही समझौता इस्राइल और सं.अ.अ. के बीच भी हो चुका है। ये समझौते बताते हैं कि पिछले 25-30 साल में दुनिया कितनी बदल चुकी है। इस्राइल- जैसे यहूदी राष्ट्र और भारत—जैसे पाकिस्तान-विरोधी राष्ट्र के साथ एक मुस्लिम राष्ट्र यूएई के संबंधों का इतना घनिष्ट होना अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हो रहे बुनियादी परिवर्तनों का प्रतीक है। अमेरिका के राष्ट्रपति का इस्राइल और फलस्तीन एक साथ जाना भी अपने आप में अति-विशेष घटना है। यों तो पश्चिम एशिया के इस नए चौगुटे की शुरुआत पिछले साल इसके विदेश मंत्रियों की बैठक से शुरु हो गई थी लेकिन अब इसका औपचारिक शुभारंभ काफी धूम-धड़ाके से होगा। मध्य जुलाई में इन चारों राष्ट्रों के शीर्ष नेता इस सम्मेलन में भाग लेंगे। जाहिर है कि यह नाटो, सेंटो या सीटो की तरह कोई सैन्य गठबंधन नहीं है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की उपस्थिति को सैन्य-इरादों से जोड़ा जा सकता है लेकिन पश्चिम एशिया में इस तरह की कोई चुनौती नहीं है। ईरान से परमाणु-मुद्दे पर मतभेद अभी भी हैं लेकिन उसके विरुद्ध कोई सैन्य गठबंधन खड़ा करने की जरुरत अमेरिका को नहीं है। जहां तक भारत का सवाल है, वह किसी भी सैन्य संगठन का सदस्य न कभी बना है और न बनेगा। हिंद-प्रशांत क्षेत्र के चौगुटे में भी उसका रवैया चीन या रूस विरोधी नहीं है। भारत इस मामले में बहुत सावधानी बरत रहा है। वह इन चौगुटों में सक्रिय है लेकिन वह किसी महाशक्ति का पिछलग्गू बनने के लिए तैयार नहीं है। इस वक्त भारत शाघांई सहयोग संगठन और एसियान देशों की बैठकें भी आयोजित कर रहा है। इन सबका लक्ष्य यही है कि आपसी आर्थिक और व्यावसायिक संबंधों की श्रीवृद्धि हो। क्या ही अच्छा होता कि इन सभी संगठनों में पाकिस्तान भी सम्मिलित होता लेकिन इस प्रश्न का हल तो पाकिस्तान ही कर सकता है।

(लेखक, भारतीय विदेश नीति परिषद के अध्यक्ष हैं)

पाक में मुशर्रफ़ की वापसी का पेचोख़म

पुष्परंजन

जनरल परवेज़ मुशर्रफ़ की वापसी का रास्ता क्या साफ होने लगा है? पाकिस्तान में इसकी कयासकारी होने लगी है। उसकी वजह पाकिस्तान के प्रतिरक्षा मंत्री ख्वाज़ा आसिफ का बयान है, जिसमें उन्होंने कहा था कि पूर्व राष्ट्रपति जनरल परवेज़ मुशर्रफ की वापसी से शासन को कोई एतराज़ नहीं है। ऐसा नहीं लगता कि वे वतन आयेंगे, तो किसी क़िस्म की रुकावट होगी। रक्षा मंत्री ख्वाज़ा आसिफ ने जनरल परवेज़ मुशर्रफ के परिवार के हवाले से मिली जानकारी के आधार पर कहा कि उन्हें एमाइलॉयडोसिस जैसी बीमारी है, जो उनके किडनी, लीवर व हृदय को प्रभावित कर चुकी है। उनकी हालत अच्छी नहीं है, और वे वतन लौटने के ख्वाहिशमंद हैं। प्रतिरक्षा मंत्री ख्वाज़ा आसिफ के इस बयान से पहले पाकिस्तान में जुम्मे के रोज़ यह अफवाह ज़ोरों की उड़ी थी कि जनरल साहब दुनिया में नहीं रहे। मगर, इसके बाद सरकार के मंत्री के आधिकारिक बयान ने अफवाहों पर विराम लगा दिया। जनरल परवेज़ मुशर्रफ 2016 से दुबई में हैं। उनसे अचानक सत्तारूढ़ नवाज़ शरीफ की पार्टी मुस्लिम लीग (एन) की सहानुभूति क्यों हो गई? इस सवाल से पाकिस्तान के विश्लेषक भी वाबस्ता हैं। कारगिल युद्ध में पाकिस्तान के मुंह की खाने के बाद 12 अक्तूबर 1999 को जनरल परवेज़ मुशर्रफ को हटाना नवाज़ शरीफ ने तय कर लिया था, मगर सेना के समीकरण की वजह से शरीफ स्वयं अपनी सत्ता से हाथ धो बैठे थे। उसके बाद से कभी मुशर्रफ से नवाज़ शरीफ के अच्छे रिश्ते नहीं बन पाये थे। संजोग देखिये, पाक अदालत के आदेश की वजह से नवाज़ शरीफ लंदन में निर्वासन में हैं, बीमार हैं, और वतन वापसी के ख्वाहिशमंद हैं। क्या ऐसा तो नहीं कि दोनों निर्वासित व गंभीर रूप से बीमार नेताओं की वतन वापसी के लिए 'पहले आप-पहले आप' के सूरतेहाल बनाये जा रहे हैं? जनरल परवेज़ मुशर्रफ की वापसी कहीं न कहीं पाक सेना की अस्मिता और सम्मान से भी जुड़ा हुआ है। सेना में अब भी परवेज़ मुशर्रफ के चाहने वाले जनरलों की कमी नहीं है। प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ इसी बहाने सेना के उन जनरलों का भरोसा जीतना चाहते हैं, जो परवेज़ मुशर्रफ के कैंप के माने जाते रहे। हालांकि परवेज़ मुशर्रफ के समय थ्री स्टार जनरलों की जो चौकड़ी थी, वह अब सेवा में भी नहीं है। जनरल अहसानुल हक़, जनरल अज़ीज़ खान, मोहम्मद अहमद और शाहिद अज़ीज़- ये वो चार जनरल थे, जिन्होंने कारगिल युद्ध की योजना बनाने में जनरल परवेज़ मुशर्रफ का साथ दिया था। जनरल मुशर्रफ ने पाकिस्तान में सत्ता हरण दो बार किया था। 3 नवंबर 2007 को तत्कालीन राष्ट्रपति मुशर्रफ ने 1973 के संविधान को सस्पेंड कर इमरजेंसी आयद की थी। उस समय मुख्य न्यायाधीश इफ्तिख़ार मुहम्मद चौधरी के कामकाज पर ही अंकुश नहीं लगाया, बल्कि बड़ी अदालत के 61 जजों को पंगु-सा बनाकर रख दिया था। जनरल परवेज़ मुशर्रफ देश के राष्ट्रपति भी थे, और सेना प्रमुख भी। 28 नवंबर 2007 को उन्होंने सेना प्रमुख के पद से अवकाश की घोषणा की और जनरल अशफ़ाक परवेज़ कियानी को चार्ज दिया। उसके अगले दिन 29 नवंबर 2007 को उन्होंने सिविलियन राष्ट्रपति पद की शपथ ले ली। 15 दिसंबर 2007 को राष्ट्रपति मुशर्रफ ने इमरजेंसी हटाने की घोषणा की थी, उसके बाद का नज़ारा दिलचस्प था। इमरजेंसी हटने के बाद सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट और संघीय शरिया कोर्ट के जजों ने दोबारा से शपथ ली थी। यह रोचक है कि मुशर्रफ ने 1999 में जो सत्ता पलट की, उससे संबंधित मामला उस विशेष अदालत में नहीं चला था। मई 2000 में पाकिस्तान की सर्वोच्च अदालत ने आम चुनाव का आदेश दिया। 20 जून 2001 में जनरल मुशर्रफ ने तत्कालीन राष्ट्रपति रफीक तरार को पद से हटाकर उसपर आसीन हो गये और 18 अगस्त 2008 तक राष्ट्रपति बने रहे। इस पद को वैध बनाने के वास्ते मुशर्रफ ने अप्रैल 2002 में मतसंग्रह भी करा लिया था। अक्तूबर 2002 में आम चुनाव हुए, जिसमें मुशर्रफ को समर्थन देने वाली मुत्तहिदा मज़लिस ए अमाल पार्टी बहुमत में आ गई, उन्होंने समय-समय पर कठपुतली प्रधानमंत्री नियुक्त किये। पूरे नौ साल पाकिस्तान का सैनिक शासन मनमर्जी से सत्ता चलाता रहा। 25 मार्च 2008 को पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी सत्ता में आ चुकी थी। हालात ऐसे बने कि उसके छह माह बाद, 18 अगस्त 2008 को नौ साल के शासन के बाद जनरल परवेज़ मुशर्रफ ने अपने पद से अवकाश लेने की घोषणा की। इससे पहले मुशर्रफ के विरुद्ध मामला कोर्ट में जा चुका था। 31 जुलाई 2009 को पाक सुप्रीम कोर्ट ने यह व्यवस्था दी कि परवेज़ मुशर्रफ ने 3 नवंबर 2007 को जिस तरह से इमरजेंसी आयद की थी, और संविधान को सस्पेंड किया था, वह अवैध था। लगभग साढ़े चार साल की अदालती लुका-छिपी के बाद 19 नवंबर 2013 को पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज़ की तत्कालीन सरकार ने तीन सदस्यीय स्पेशल कोर्ट में मुशर्रफ़ के खिलाफ देशद्रोह समेत पांच आरोप दाखिल किये थे। यह ध्यान में रखने की बात है कि सेना के जनरल पांच वर्षों तक कोर्ट पर लगातार दबाव बनाते रहे कि जनरल मुशर्रफ पर आरोपों की सुनवाई मिल्ट्री कोर्ट में हो। इस बीच जनरल मुशर्रफ गंभीर रूप से बीमार पड़ चुके थे। 18 मार्च 2016 को कोर्ट ने उन्हें इस वायदे के साथ दुबई जाने की अनुमति दी कि वे कुछ हफ्तों में इलाज के बाद वतन लौट आएंगे। मगर, ऐसा कुछ हुआ नहीं। विशेष अदालत को उन्हें भगोड़ा घोषित कर सज़ा वाली कार्यवाही आगे बढ़ानी पड़ी। मुशर्रफ, दुबई इलाज के बहाने गये, वह भी एक सोची-समझी रणनीति थी, क्योंकि पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात से प्रत्यर्पण संधि नहीं है। 17 दिसंबर 2019 को विशेष अदालत परवेज़ मुशर्रफ को मृत्युदंड सुना चुकी है। मुशर्रफ को सज़ा-ए-मौत को पाक सेना ने अपना अपमान मान लिया था। तब पाक सेना का मीडिया विंग 'आईएसपीआर' ने अपने आधिकारिक बयान में कहा था कि जनरल मुशर्रफ कभी देशद्रोही नहीं थे। स्पेशल कोर्ट का यह फैसला बहुत ही दुखद है। अब सवाल यह है कि परवेज़ मुशर्रफ वतन वापिस आते हैं, तो क्या उन्हें सज़ा-ए-मौत दी जा सकती है? पाक संविधान का अनुच्छेद-45 वहां के राष्ट्रपति को यह अधिकार देता है कि वे मृत्युदंड को क्षमादान में परिवर्तित कर दें। इस्लामाबाद में जो लोग सत्ता के गलियारे की टोह लेते हैं, उन्होंने संकेत दिया है कि क्षमादान की एक अर्जी जनरल मुशर्रफ़ की ओर से राष्ट्रपति कार्यालय को भेजी जा चुकी है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति डॉ. आरिफ अल्वी का जिस समय क्षमादान पर हस्ताक्षर होता है, मुशर्रफ़ की पाकिस्तान वापसी पर मुहर लग जाएगी।

लेखक ईयू-एशिया न्यूज़ के नई दिल्ली संपादक हैं।

राजनीतिक लाभ-हानि के खेल में उलझा मुद्दा

जातिगत जनगणना/ अमलेंदु भूषण खां

भारत में पहली बार जातिगत जनगणना 1901 में ब्रिटिश शासन के जनगणना आयुक्त लार्ड रिसेल की अगुआई में की गई थी। 1931 के जातिगत जनगणना की खामियों को लेकर डॉ. भीमराव अंबेडकर ने इसका तीव्र विरोध किया था। बाबा साहेब अंबेडकर ने अपने शोधपत्र में लॉर्ड रिसेल के 1901 व 1931 के जाति आंकड़े को नकार दिया था। डॉ. अंबेडकर ने लिखा है अगर ब्राह्मण आर्यन है तो दलित भी आर्यन हैं। आजाद भारत में जातिगत जनगणना की मांग सबसे पहले ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने की थी। बिहार के साथ ओडिशा भी विधानसभा में जातिगत जनगणना का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित कर चुका है। महाराष्ट्र सरकार पहले ही विधानसभा में सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित कर चुकी है। इससे पहले 2011 की जनगणना में तत्कालीन उत्तर प्रदेश की सरकार ने सामाजिक आर्थिक जाति जनगणना (एसईसीसी) करने का फैसला किया था जो सिरे नहीं चढ़ पाया। आजादी के बाद भारत सरकार ने 1951 में पहली जनगणना के समय ही यह तय कर लिया था कि एससी और एसटी के अलावा अन्य जातियों से संबंधित सूचनाओं को जनगणना का हिस्सा नहीं बनाया जाएगा। देश में आखिरी बार जाति आधारित जनगणना 1931 में हुई थी। उस समय पाकिस्तान और बांग्लादेश भी भारत का हिस्सा थे। तब देश की आबादी 30 करोड़ के करीब थी। अब तक उसी आधार पर यह अनुमान लगाया जाता रहा है कि देश में किस जाति के कितने लोग हैं। 1951 में जातीय जनगणना के प्रस्ताव को तत्कालीन गृह मंत्री सरदार पटेल ने यह कहकर खारिज कर दिया था कि इससे देश का सामाजिक ताना-बाना बिगड़ सकता है। आजाद भारत में 1951 से 2011 तक की हर जनगणना में सिर्फ अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के आंकड़े ही जारी किए गए। मंडल आयोग ने भी 1931 के आंकड़ों पर यही अनुमान लगाया कि ओबीसी आबादी 52 फीसदी है, जिसके तहत ओबीसी को 27 फीसदी, अनुसूचित जाति को 15 फीसदी तो अनुसूचित जनजाति को 7.5 फ़ीसदी आरक्षण मिलता है। यद्यपि जातिविहीन समाज एवं स्वराज्य में सभी वर्गों और वर्णों की समान हिस्सेदारी की गूंज भी आजादी के संग्राम में सुनाई देने लगी थी। जातिगत जनगणना की मांग ने तब से रफ्तार पकड़नी शुरू की, जब 1980 के दशक से जाति-आधारित कई क्षेत्रीय दलों का जन्म हुआ। इसकी वजह से सरकारी नौकरियों और सरकारी संस्थानों में दाखिले में अन्य पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षण की मांग ने भी जोर पकड़ना शुरू कर दिया। 1979 में केंद्र सरकार ने इन जातियों की पहचान के लिए एक आयोग का गठन किया, ताकि इन्हें विशेष सरकारी सुविधाएं मुहैया करवाई जाएं। सांसद बीपी मंडल की अगुवाई में यह आयोग बना। इसने अन्य पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षण की सिफारिश की थी। जब 1990 में वीपी सिंह की अगुवाई में राष्ट्रीय मोर्चे की सरकार थी तो इन सिफारिशों को मंजूर कर लिया गया।खासकर जाति आधारित क्षेत्रीय दलों को लगता है कि अन्य पिछड़ी जातियों की आबादी अनुमानित 52 फीसदी से ज्यादा है। वह इसीलिए जाति आधारित जनगणना की मांग कर रहे हैं, ताकि यह आंकड़ा ज्यादा होने पर वह केंद्रीय नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में दाखिले के लिए ओबीसी के लिए तय 27 फीसदी आरक्षण के कोटे को बढ़ाने की मांग कर सकें। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पहली बार सितंबर, 2021 में जाति जनगणना के सवाल पर डटे रहने की वकालत तब की थी जब केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर बताया था कि वह न तो जाति जनगणना करवाएगी और न ही 2011 की जनगणना के दौरान इकट्ठे किए गए आंकड़े सार्वजनिक करेगी। केंद्र सरकार के हठ के बाद नीतीश कुमार बिहार विधानसभा से दो बार प्रस्ताव पारित कर चुके हैं। नीतीश कुमार ने जातीय जनगणना की मांग ऐसे वक्त उठायी है जब भाजपा और केंद्र में मोदी सरकार के खिलाफ विपक्ष की गतिविधियां तेज हैं। राम मंदिर, सीएए, 370 जैसे कई मसलों पर भाजपा से अलग राय रखने के बावजूद नीतीश कुछ कर नहीं पाए, लेकिन जातीय जनगणना में भाजपा पर दबाव बनाने का उन्हें बड़ा मौका नजर आ रहा है। लेकिन बिहार के राजनीतिक हालात को देखें तो जेडीयू को आरजेडी से पिछड़ने का डर सता रहा है क्योंकि पिछड़ों की सियासत करने वाली आरजेडी इस मसले पर शुरू से मुखर है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि पिछले दो दशकों से सियासत में ओबीसी का दबदबा बढ़ा है। बिहार में ओबीसी के बीच आरजेडी का प्रभाव अच्छा-खासा रहा है, नीतीश के लिए जातीय जनगणना की मांग उठाना राजनीतिक मजबूरी भी है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि यदि एक बार विभिन्न जातियों और उपजातियों की संख्या के आंकड़े बाहर आ गए तो उस आधार पर अलग-अलग समूहों की ओर से आरक्षण की मांगें जोर पकड़ने लगेंगी, जिनसे निपटना सरकार के किए आसान काम नहीं होगा। दरअसल जातिगत जनगणना की मांग की जड़ में सरकारी नौकरियों में आरक्षण व राजनीतिक स्वार्थ है। माना जा रहा है कि जातीय जनगणना के बाद विभिन्न समुदायों को मिलने वाले आरक्षण प्रतिशत में बदलाव की मांग होने लगेगी। दरअसल, भाजपा की राजनीति हिंदुत्व के मुद्दे पर टिकी है। हिंदुत्व का मतलब पूरा हिंदू समाज है, अगर जाति के नाम पर वह विभाजित हो जाता है तो जाति की राजनीति करने वाले दलों का प्रभाव बढ़ जाएगा और भाजपा को नुकसान होगा।

आज के कार्टून

आध्यात्मिकता

श्रीराम शर्मा आचार्य

मित्रो! हमने दीपक जलाया और कहा कि ए दीपक! जल और हमको भी सिखा। ए कम हैसियत वाले दीपक, एक कानी कौड़ी की बत्ती वाले दीपक, एक छटांक भर तेल लिए दीपक, एक मिट्टी की ठीकर में पड़े हुए दीपक! तू अंधकार में प्रकाश उत्पन्न कर सकता है। मेरे जप से तेरा संग ज्यादा कीमती है। तेरे प्रकाश से मेरी जीवात्मा प्रकाशवान हो, जिसके साथ में खुशियों के इस विवेक को मूर्तिवान बना सकूं। हमारे शास्त्रों में बताया गया है 'तमसो मा ज्योतिर्गमय'। ए दीपक! हमने तुझे इसलिए जलाया है कि तू हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चले। तमसो मा ज्योतिर्गमय अंतरात्मा की भूली हुई पुकार को हमारा अंत-करण श्रवण कर सके और इसके अनुसार हम अपने जीवन को प्रकाशवान बना सकें। अपने मस्तिष्क को प्रकाशवान बना सकें। दरअसल, दीपक जलाने का यही उद्देश्य होता है। सिर्फ भावना का ही दीपक जलाना होता, तो भावना कहती कि दीपक जला लीजिए तो वही बात है, मशाल जला लीजिए तो वही बात है, आग जला लीजिए तो वही बात है। स्टोव को जला लीजिए, बड़ी वाली अंगीठी, अलाव जलाकर रख दीजिए। तो सवाल पैदा होता है कि इससे क्या बनने वाला है, और क्या बिगड़ने वाला है? आग जलाने से भगवान का क्या नुकसान है, और दीपक जलाने से भगवान का क्या बनता है? अत- ए दीपक! तू हमें अपनी भावना का उद्घोष करने दे। भावना से किए गए हमारे उपक्रम को तेरी प्रशस्ति मिले तो यकीनन हमारे प्रयास सद्प्रयास कहलाएंगे। कहलाएंगे ही नहीं, बल्कि सद्प्रयास ही होंगे। साथियो! हम भगवान के चरणारविन्द पर फूल चढ़ाते हैं। हम खिला हुआ फूल, हंसता-खिलखिलाता हुआ फूल, सुगंध से भरा हुआ फूल, रंग-बिरंगा फूल और मुस्कुराता हुआ प्रफुल्लित फूल ले आते हैं। कह सकते हैं कि ऐसे फूल में में हमारी जवानी थिरक रही है, और हमारा जीवन थिरक रहा होता है। हमारी योग्यताएं और प्रतिभाएं थिरक रही होती हैं। हमारी भावनाएं थिरक रही होती हैं। हमारा हृदयकंद कैसे सुंदर फूल जैसे है। उसे जहां कहीं भी रख देंगे, जहां कहीं भी भेज देंगे, वहीं स्वागत होगा। उसे कुटुम्बियों को भेज देंगे, तो वे खुश। जब लड़का कमा कर लाता है। आठ सौ पचास रु पये कमाने वाला इंजीनियर पैसा देता है, तो सोफा सेट बनते चले जाते हैं। माया घर में आती चली जाती है।

सू-दोकू नवताल - 2141

6	4			3	7	2		9
2	7		8					
9		8		6		4		5
4				5		9		
8	1						5	4
		9		7				6
1		3		9		7		8
					2		6	
7		6	4	1			9	2

सू-दोकू -2140 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2141

बायें से दायें:-

1. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'चलती है पुरवाई' गीतवाली फिल्म-3
3. 'मेरा मन तेरा प्यासा' गीत वाली देव आनंद, जाहिदा, जाहिरा की फिल्म-4
6. सनी, मीनाक्षी की सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-3
8. 'कब तक हुजूर रूठे रहोगे' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-3
10. धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली फिल्म-4
11. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज, उर्मिला की फिल्म-2
12. रघुवीर यादव, कुणालकपूर, तब्बू, नादिरा बब्बर की 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' गीत वाली फिल्म-3
14. 'क्या करे क्या ना करें' गीत वाली जैकी श्रॉफ, उर्मिला की फिल्म-3
16. सनी देओल, करिश्मा की 'छम्मक छल्लो जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-3
17. जैकी श्रॉफ, संजय, माधुरी की फिल्म-5
19. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, दीप्ति नवल की सई परांजपे निर्देशित एक फिल्म-2
22. 'कंधों से मिलते हैं कंधे' गीत वाली अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-2
23. राकेश रोशन, रेखा की 'सुन सुन सुन दीदी तेरे लिये' गीत वाली फिल्म-5
25. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान, विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-2
26. संजय दत्त, सलमान खान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-2
28. 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-2
29. मिलिंद सोमण, विक्रम सलूजा, किरण झवेरी की फिल्म-3
30. फिल्म 'रफूचक्कर' में नायिका थी-2

ऊपर से नीचे:-

रानी मुखर्जी की फिल्म-3
15. 'क्या सही प्यार है' गीत वाली फिल्म 'रॉकी' में संजयदत्त, के साथ नायिका कौन थी-3
16. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'आई लव यू आई लव यू' गीत वाली फिल्म-5
18. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-3
20. संजय दत्त, माधुरी दीक्षित की 'तम्मा तम्मा लोगे' गीत वाली फिल्म-4
21. 'लो आगई उनकी याद' गीत वाली मनोज कुमार, आशा पारेख की फिल्म-1,3
24. अक्षय कुमार, करीना कपूर की 'तूने कहा जब से हाँ' गीत वाली फिल्म-3
27. 'और क्या अहद ए वफा' गीत वाली सनी देओल, अमृतासिंह की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2140

अ	नि	ता		रो	श	नी		धू	म
क्स		क	सौ	टी		ल	ज्ञा		स्त
	अं	त		क	स	म		भा	
जो	श		कं	प	नी		आ	र	जू
रू		दि		झ़ा		जी	न	त	
का	ज	ल		औ	र	त			पा
गु		ज	रू	र	त		पा	ल	की
ला	इ	ला		म	न		य		जा
म			शा	का		जा	ल		
	फ	र	दी	न	खा	न		फि	दा

1. 'मेरा नाम है चमेली' गीत वाली संजीव कुमार, नाजिमा, कुमकुम की फिल्म-2,2,2
2. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुमसे' गीत वाली फिल्म-3
4. 'सिर्फतुम ही तो हो जिसपे' गीत वाली शम्मीकपूर, साधना की फिल्म-5
5. अभिषेक बच्चन, भूमिका चावला की 'दिल में जो बात' गीत वाली फिल्म-2
7. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली आमिरखान, ग्रेसीसिंह की फिल्म-3
9. संजयखान, बबीता की 'आ लगजा गले' गीत वाली फिल्म-2,2
13. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिल कपूर,

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोने, चांदी में तेजी

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने ओर चांदी की कीमतें बढ़ी हैं। विश्व स्तर पर कीमती धातुओं की कीमतों में सुधार के बीच ही दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 21 रुपये की बढ़त के साथ ही 50,602 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 50,581 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था जबकि चांदी 37 रुपये बढ़कर 60,525 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी का भाव 60,488 रुपये प्रति किलोग्राम रहा था। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना बढ़त के साथ ही 1,833 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था जबकि चांदी 21.58 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर थी।

हवाई किराये में 10-15 फीसदी की वृद्धि जरूरी: सिंह

नई दिल्ली । विमान ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी और रुपए के अवमूल्यन की वजह से घरेलू विमानन कंपनियों के पास हवाई किराया तत्काल बढ़ाने के अलावा कोई और विकल्प नहीं रह गया है। स्पाइसजेट के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने यह बात कही। सिंह ने एक बयान में कहा कि परिचालन लागत वहनीय बनी रहे इसके लिए हवाई किराये में कम से कम 10 से 15 फीसदी की वृद्धि करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जून 2021 के बाद से विमान ईंधन के दाम में 120 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी हो चुकी है। दामों में बड़े पैमाने पर हुई यह वृद्धि वहनीय नहीं है और केंद्र तथा राज्यों की सरकारों को विमान ईंधन पर कर कम करने के लिए तत्काल कदम उठाना चाहिए।

फेड जुलाई में फिर से 0.75 प्रतिशत बढ़ा सकता है ब्याज दरें : जेरोम

वाशिंगटन । अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने 1994 के बाद ब्याज दरों में 0.75 फीसदी की सबसे बड़ी बढ़ोतरी का ऐलान किया है। यह 28 साल में अमेरिका के केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दर में सबसे बड़ी वृद्धि है। इसके साथ ही फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने आगे भी ब्याज दरों में बढ़ोतरी के संकेत दिए हैं। जेरोम पॉवेल के मुताबिक फेड जुलाई में फिर से दरों में 0.75 की बढ़ोतरी कर सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि फेड के पास महंगाई को काबू में लाने के लिए जरूरी समाधान हैं। इस बीच फेड रिजर्व के ताजा फैसले के बाद अमेरिकी स्टॉक एक्सचेंज में उछाल आया। डाउ जोन्स एक बार फिर 30,550 अंक के स्तर को पार कर गया। एसएंडपी 500 ने भी करीब एक फीसदी के उछाल के साथ 3,770 अंक के स्तर को पार किया। वहीं यूएस फेड के फैसले से डॉलर भी मजबूत हुआ है।

मई में भारतीय कंपनियों में 5.3 अरब डॉलर का निवेश मिला: रिपोर्ट

मुंबई । निजी इक्विटी और उद्यम पूंजी कोषों ने मई, 2022 में भारतीय कंपनियों में 5.3 अरब डॉलर का निवेश किया है, जो एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 42 प्रतिशत अधिक है। उद्योग संगठन आईवीसीआर और परामर्श कंपनी ईवाई की रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल में 7.5 अरब डॉलर के निवेश की तुलना में मई में निवेश 29 प्रतिशत कम था। वहीं सौदों के लिहाज से मई में 109 लेनदेन हुए जबकि एक साल पहले की इसी महीने में 66 और अप्रैल 2022 में 117 सौदे हुए थे। रिपोर्ट के अनुसार मई 2022 में दस करोड़ डॉलर से अधिक के 14 बड़े सौदे हुए जिनका मूल्य 3.9 अरब डॉलर है। इसमें अडाणी के नियंत्रण वाले मुंबई हवाईअड्डे द्वारा अपोलो ग्लोबल से 75 करोड़ डॉलर का ऋण जुटाना भी शामिल है।

एयरबस ए350 विमान खरीदेगी एयर इंडिया

नई दिल्ली । टाटा समूह की विमानन कंपनी एयर इंडिया ने अपने विमानों की पहली खेप के रूप में बड़े आकार के एयरबस ए350 विमान खरीदने का फैसला है। जानकारी के मुतो बिक विमानन कंपनी को अपना पहला विमान मार्च, 2023 तक मिलने की उम्मीद है। हालांकि, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं है कि कंपनी कितने ए350 विमान खरीदेगी। सूत्रों ने बताया कि एयर इंडिया ने अपने वरिष्ठ पायलटों से ए350 विमान के संचालन के लिए प्रशिक्षण लेने के बारे में भी पूछा है। गौरतलब है कि एयर इंडिया ने वर्ष 2006 से एक भी नया विमान नहीं खरीदा है। तब कंपनी ने 111 विमान खरीदने का ऑर्डर दिया था।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

फेडरल रिजर्व के ब्याज दर बढ़ाने से टूटा बाजार

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में यह गिरावट अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत दर में 0.75 फीसदी की बढ़त के कारण बने हालातों से आई है।

इससे दुनिया भर के बाजारों में कमजोर कारोबार हुआ जिससे भारतीय बाजार में भी बिकवाली हावी रही। इसके साथ ही दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी लि. और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी नीचे आये। आज सुबह अच्छी शुरुआत के बाद भी तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स संभल नहीं पाया और अंत में 1,045.60 अंक करीब 1.99 फीसदी की गिरावट के साथ ही 51,495.79 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 331.55 अंक तकरीबन 2.11 फीसदी की गिरावट के साथ ही 15,360.60 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, विप्रो, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, कोटक महिंद्रा बैंक और एनटीपीसी के शेयर सबसे ज्यादा गिरे केवल नेस्ले इंडिया का शेयर ही लाभ के साथ ऊपर आया।

कारोबार में एचयूएल, नेस्ले और ब्रिटेनिया इंडस्ट्रीज के शेयरों को लाभ हुआ। वहीं हिंडाल्को, टाटा स्टील, कोल इंडिया, टाटा मोटर्स और ओएनजीसी निफ्टी के शेयर गिरे हैं। इससे पहले गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। वहीं एशिया के अन्य बाजारों में भी कुल मिलाकर देखें तो गिरावट रही। चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग गिरा है जबकि जापान के निक्की और दक्षिण कोरिया के कॉस्पी की मामूली बढ़त रही जबकि यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख रहा। बाजार जानकारों के अनुसार मंदी की आशंका से भी बाजार नीचे आया है।

रुपया 12 पैसे बढ़कर 78.10 पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया संभला है। भारतीय रुपया विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबरते हुए 12 पैसे ऊपर आकर 78.10 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को 0.75 फीसदी तक बढ़ाने से डॉलर सूचकांक नीचे आया है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 78.06 के भाव पर खुला और कारोबार के अंत में यह पिछले बंद भाव के मुकाबले 12 पैसे की बढ़त के साथ ही 78.10 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इससे पहले बुधवार को रुपया 18 पैसे फिसलकर अपने सर्वकालिक निचले स्तर 78.17 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। दूसरी ओर छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 फीसदी नीचे आकर 105.02 पर आ गया।

आरबीआई फिर बढ़ा सकता है रेपो रेट, बढ़ सकती है लोन की ईएमआई

नई दिल्ली । अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरें 0.75 फीसद बढ़ा दी हैं। अमेरिका ने बढ़ती महंगाई पर रोक लगाने के लिए ब्याज दरों में इजाफा किया है, जो कि पिछले 28 साल में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है। अमेरिका ब्याज दरों में इजाफे का असर दुनियाभर में देखा जा सकता है। ऐसी संभावना है कि भारतीय केंद्रीय बैंक रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) फिर से रेपो रेट में इजाफा कर सकती है। ऐसे में आने वाले दिनों में होम लोन, पर्सनल लोन की ईएमआई बढ़ सकती है। बता दें कि हाल ही में आरबीआई की तरफ से रेपो रेट में 50 बेसिस प्वाइंट का इजाफा किया था। ऐसे में रेपो रेट 4.90 फीसद हो गया है। लेकिन जल्द आरबीआई रेपो रेट में इजाफा कर सकती है, क्योंकि अमेरिकी केंद्रीय बैंक जुलाई में फिर से ब्याज दर बढ़ सकता है। दरअसल अमेरिका में महंगाई दर 40 साल में अपने उच्चतम स्तर पर है। अमेरिका में मई के माह में महंगाई दर 8.6 फीसद रही। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की तरफ से ब्जाय दरों में इजाफे से भारतीय रुपए में गिरावट है।

एसबीआई ने अब होम लोन पर बढ़ाई ब्याज दरें

- बैंक ने आवास ऋण पर न्यूनतम ब्याज दर बढ़ाकर 7.55 प्रतिशत की

नई दिल्ली । देश के प्रमुख बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने आवास ऋण पर न्यूनतम ब्याज दर बढ़ाकर 7.55 प्रतिशत कर दी है। नई दरें बुधवार से लागू हो गई हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले सप्ताह प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 0.50 प्रतिशत बढ़ाकर 4.90 प्रतिशत कर दिया है। इसके बाद कई बैंकों ने ऋण पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। मई में भी केंद्रीय बैंक ने रेपो दर में अचानक 0.40 प्रतिशत की वृद्धि की थी। एसबीआई की वेबसाइट पर उपलब्ध सूचना के अनुसार बैंक ने अपनी ब्राह्य बेंचमार्क आधारित ऋण दर (ईबीएलआर) को बढ़ाकर न्यूनतम 7.55 प्रतिशत कर दिया है। पहले यह दर 7.05 प्रतिशत थी। बैंक ईबीएलआर के ऊपर ऋण जोखिम प्रीमियम भी जोड़ते हैं। बैंक ने कोष की सीमांत लागत आधारित ऋण दर (एमसीएलआर) को 0.20 प्रतिशत बढ़ाया है, जो 15 जून से लागू है। इससे पहले भारतीय स्टेट बैंक ने जमा और कर्ज पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की थी। एसबीआई की वेबसाइट के अनुसार, दो करोड़ रुपए से कम की खुदरा घरेलू मियादी जमा पर संशोधित ब्याज दर 14 जून, 2022 से प्रभावी होगी। वेबसाइट पर उपलब्ध सूचना के अनुसार 211 दिन से लेकर एक साल से कम अवधि के लिए जमा पर ब्याज दर 4.60 प्रतिशत होगी, जो अभी 4.40 प्रतिशत है। वरिष्ठ नागरिकों को 5.10 प्रतिशत ब्याज मिलेगा, जो अभी 4.90 प्रतिशत है। इसी प्रकार, एक साल से लेकर दो साल से कम अवधि की जमाओं पर ग्राहकों को 5.30 प्रतिशत ब्याज मिलेगा. इसमें 0.20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं, वरिष्ठ नागरिकों को 5.80 प्रतिशत ब्याज मिलेगा। इसके अलावा एसबीआई ने दो वर्ष से लेकर तीन साल से कम की जमा पर ब्याज दर को 5.20 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.35 प्रतिशत कर दिया है। इसमें वरिष्ठ नागरिकों को 5.85 प्रतिशत ब्याज मिलेगा, जो पहले 5.70 प्रतिशत था। एसबीआई ने ने दो करोड़ रुपये और उससे अधिक की घरेलू थोक सावधि जमा पर ब्याज दर में 0.75 प्रतिशत तक की वृद्धि की है। सार्वजानिक क्षेत्र के बैंक ने रेपो से जुड़ी ऋण दर (आरएलएलआर) को बढ़ाकर 7.15 प्रतिशत कर दिया है। यह पहले 6.65 प्रतिशत थी।

पेट्रोल और डीजल की कीमत 25वें दिन भी नहीं बदली

नई दिल्ली । देश में तेल विपणन कंपनियों ने गुरुवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया, जिससे लगातार 25वें दिन ईंधन के दाम स्थिर रहे। इंडियन ऑयल की अधिसूचना के मुताबिक दिल्ली में गुरुवार को पेट्रोल का दाम 96.72 रुपए और डीजल का दाम 89.62 रुपए प्रति लीटर है, जबकि मुंबई में पेट्रोल और डीजल की कीमत क्रमशः 111.35 रुपए और 97.28 रुपए प्रति लीटर पर है। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें वैट और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर राज्यों में अलग-अलग हैं। केंद्र सरकार ने 25 मई को आम आदमी को बड़ी राहत देते हुए पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमशः आठ रुपए और छह रुपए प्रति लीटर की कटौती करने की घोषणा की थी। इससे पेट्रोल-डीजल के दाम कम से क्रमशः 9.5 रुपए और सात रुपए तक कम हो गए थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में ऊतार-चढ़ाव जारी है। लंदन ब्रेंट क्रूड 0.38 प्रतिशत चढ़कर 118.96 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 0.50 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 115.89 डॉलर प्रति बैरल पर है। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है। देश के चार बड़े महानगरों में पेट्रोल और डीजल के दाम इस प्रकार रहेः- दिल्ली पेट्रोल 96.72 रुपए प्रति लीटर, डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई पेट्रोल 111.35 रुपए प्रति लीटर, डीजल 97.28 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 106.03रुपए प्रति लीटर, डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, और चेन्नई पेट्रोल 102.63 रुपए प्रति लीटर 94.24 रुपए प्रति लीटर।

भारतीय साइबर एजेंसी ने एडोब प्रोडक्ट्स में कई बग को लेकर यूजर्स को किया सचेत

नई दिल्ली। भारतीय कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम (सीईआरटी-इन) ने गुरुवार को एडोब प्रोडक्टस में कई कमजोरियों पर एक सलाह जारी की जो हैकर्स को कंप्यूटर सिस्टम में घुसपैठ करने में मदद कर सकती है। इनडिजाइन (विंडोज और मैकओएस के लिए पुराने संस्करणों के साथ), इनकॉपी, इलस्ट्रेटर, ब्रिज और एनिमेट (और विंडोज और मैकओएस के लिए पुराने संस्करण) जैसे एडोब प्रोडक्टस में बग की सूचना मिली थी। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी (एमईआईटीवाई) के अंतर्गत आने वाले सीईआरटी-इन ने कहा, एडोब प्रोडक्टस में कई कमजोरियां बताई गई हैं, जो एक अटैकर को उन्नत विशेषाधिकार प्राप्त करने, मनमाने कोड निष्पादित करने, फाइल सिस्टम पर मनमानी फाइलें लिखने और लक्षित सिस्टम पर मेमोरी लीक का कारण बनने की अनुमति दे सकती हैं। राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा एजेंसी के अनुसार, ये कमजोरियां एडोब प्रोडक्टस में अनुचित इनपुट सत्यापन, अनुचित प्राधिकरण, ढेर-आधारित बफर ओवरफ्लो, आउट-ऑफ-बाउंड राइट, आउट-ऑफ-बाउंड्स पढ़ने और मुफ्त दोषों के बाद उपयोग के कारण मौजूद हैं। एक अटैकर पीड़ित को विशेष रूप से तैयार की गई फाइल या एप्लिकेशन खोलने के लिए राजी करके इन कमजोरियों का फायदा उठा सकता है। इन कमजोरियों का सफल शोषण एक हमलावर को उन्नत विशेषाधिकार प्राप्त करने, मनमाना कोड निष्पादित करने, फाइल सिस्टम पर मनमानी फाइलें लिखने और लक्षित सिस्टम पर स्मृति रिसाव का कारण बनने की अनुमति दे सकता है।

ई-कॉमर्स कारोबार पर सीमा शुल्क से छूट की समीक्षा होनी चाहिए: भारत

जिनेवा ।

भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के सदस्य देशों से ई-कॉमर्स कारोबार पर सीमा शुल्क में छूट पर रोक को जारी रखने की समीक्षा तथा उस पर पुनर्विचार करने का आह्वान किया। भारत ने कहा कि यह विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाला मुद्दा है। डब्ल्यूटीओ के 12वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के दौरान ई-कॉमर्स पर सत्र को संबोधित करते हुए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि विकासशील देशों में इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन में व्यापार चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। इसका कारण विकसित और विकासशील देशों के बीच व्यापक स्तर पर डिजिटल अंतर का होना है। एक अनुमान के अनुसार 95 में से 86 विकासशील देश डिजिटल उत्पादों के शुद्ध आयातक हैं और केवल पांच बड़ी प्राद्योगिकी कंपनियां बाजार को नियंत्रित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि कपड़ा, हथकरघा जैसे भौतिक उत्पादों के छोटे निर्यातकों को घरेलू कर के अलावा सीमा शुल्क भी देना होता है और इस प्रकार के उद्योग मुख्य रूप से विकासशील देशों में हैं। वहीं दूसरी तरफ बड़े डिजिटल निर्यातकों को सीमा शुल्क से छूट मिली हुई है। यह वास्तव में घरेलू विनिर्माण क्षमता को प्रभावित करेगा। इससे वास्तव में वे प्रतिस्पर्धी नहीं रह पाएंगी। मुझे लगता है कि 24 साल से जारी इस रोक की समीक्षा करने और इस पर फिर से विचार करने की जरूरत है।

मारुति सुजुकी ने 2.33 लाख यूनिट्स की थी शिप

-मारुति सुजुकी का यह अब तक का सबसे बड़ा डिस्पैच

नई दिल्ली ।

पिछले वित्त वर्ष में मारुति सुजुकी इंडिया ने भारतीय रेलवे की मदद से लगभग 2.33 लाख यूनिट्स शिप की थी। यह मारुति सुजुकी का अब तक का सबसे बड़ा डिस्पैच है। इस बारे में कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मारुति सुजुकी के डिस्पैच में पिछले साल 23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार मारुति सुजुकी ने पिछले आठ वर्षों में रेलवे के माध्यम से लगभग 11 लाख वाहनों का परिवहन किया है, जिससे 4,800 मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम करने में मदद मिली है। सड़क परिवहन से इस प्रक्रिया को पूरा करने में 1,56,000 ट्रक ट्रिप लगतीं और 174 मिलियन लीटर फ्यूल खर्च होता। ऐसे में भारतीय रेलवे का इस्तेमाल करके मारूती सुजुकी ने ग्रीनहाउस उत्सर्जन कम करने में मदद की है। इस संबंध में मारुति सुजुकी ने कहा कि वह अपने वाहनों को भेजने के लिए रेल परिवहन के उपयोग को बढ़ाने के लिए भारतीय रेलवे के साथ काम कर रही है। कंपनी के कार्यकारी निदेशक राहुल भारती ने कहा कि रेलवे लॉजिस्टिक्स कार्बन फुटप्रिंट को कम करने और सड़क पर भीड़ को कम करने की क्षमता प्रदान करता है। पिछले कुछ वर्षों में हमने अपने कारखाने से रेलवे का उपयोग करने वाले डीलरों के लिए कार डिस्पैच की हिस्सेदारी को जानबूझकर बढ़ाया है।भारती ने आगे कहा कि ऑटोमेकर रेल परिवहन में मौजूदा 15 प्रतिशत के शेयर को और अधिक बढ़ाएगा। इसने कंपनी को रेलवे के नेटवर्क पर हाई स्पीड, हाई कैपेसिटी वाले ऑटो-वैगन रेक बनाने और संचालित करने की अनुमति दी। वर्तमान में ऑटोमेकर के पास 41 रेलवे रेक हैं। हर रेक में 300 से अधिक वाहनों रखने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि हम शेयर को और बढ़ाने के लिए कई कदम उठा रहे हैं। इसके लिए हमने हंसलपुर और मानेसर में रेलवे साइडिंग पर मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करने के लिए गुजरात और हरियाणा की सरकारों के साथ हाथ मिलाया है। बता दें कि मारुति सुजुकी इंडिया 2013 में ऑटोमोबाइल फ्रेट ट्रेन ऑपरेटर लाइसेंस प्राप्त किया था। वह एएफटीओ लाइसेंस हासिल करने वाली भारत की पहली ऑटोमोबाइल निर्माता थी।

ऑल-न्यू वोल्वो एक्ससी40 रिचार्ज जुलाई में होगी लांच

-400 किमी से ज्यादा रेंज वाली इलेक्ट्रिक कार

नई दिल्ली । ऑल-न्यू वोल्वो एक्ससी40 रिचार्ज जुलाई 2022 में लॉन्च की जाएगी। वोल्वो भारत में स्थानीय रूप से असेंबल किए गए ईवी की पेशकश करने वाला पहला लक्जरी ब्रांड होगा। इस कॉम्पैक्ट लग्जरी इलेक्ट्रिक एसयूवी को कंपनी के कर्नाटक में बेंगलुरु के पास होसाकोटे प्लांट में असेंबल करेगी। वोल्वो एक्ससी40 रिचार्ज से भारत में मार्च 2021 में पर्दा उठाया गया था। इसके लिए प्री-बुकिंग पिछले साल जून में शुरू हुई थी। डिजाइन के मामले में, यह अपने आईसीई कार की तरह ही दिखती है और इसे उसी कॉम्पैक्ट मॉड्यूलर आर्किटेक्चर प्लेटफॉर्म पर भी बनाया गया है। यह दो इलेक्ट्रिक मोटर्स से चलती, जिसका आउटपुट 408 बीएचपी और 660 एनएम है। यह महज 4.7 सेकंड में 100 किमी प्रति घंटे की स्पीड पकड़ सकती है। इसकी टॉप स्पीड 180 किमी प्रति घंटा है। इस इलेक्ट्रिक एसयूवी में 78केडब्ल्यूएच की लिथियम-आयन बैटरी पैक का इस्तेमाल किया गया है। वोल्वो का दावा है कि यह एक बार चार्ज करने पर लगभग 400 किमी की दूरी तय कर सकती है। इसके अलावा 150केडब्ल्यू डीसी फास्ट चार्जर से इसे सिर्फ 40 मिनट में 80 प्रतिशत तक चार्ज किया जा सकता है। वोल्वो एक्ससी40 रिचार्ज की डिलीवरी अक्टूबर 2022 में शुरू होगी।कार के फीचर्स की बात करें तो इसमें पैनोरमिक सनरूफ, टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, 12 इंच का इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, टेलगेट में हैंड्स फ्री फंक्शन, टू जोन ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, वायरलेस फोन चार्जिंग, 19 इंच के अलॉय व्हील, लेदर अपहोल्स्ट्री, एलईडी हैडलाइट्स एंड टेल लाइट्स जैसे फीचर्स दिए गए हैं।वोल्वो कार इंडिया की मैनेजिंग डायरेक्टर ज्योति मल्होत्रा ने कहा, हम भारतीय बाजार में आगे बढ़ने के लिए कमिटेड हैं। नई इलेक्ट्रिक कार एक्ससी40 रिचार्ज को बेंगलुरु स्थित प्लांट में असेंबल किया जाएगा। मोबिलिटी का भविष्य इलेक्ट्रिक है और एक कंपनी के रूप में हम पहले ही कह चुके हैं कि हम 2030 तक पूरी तरह से इलेक्ट्रिक कार कंपनी बन जाएंगे। स्थानीय असेंबली पर हमारा ध्यान इस दिशा में एक कदम है। वहीं सेफ्टी के लिहाज से इसमें 7 एयरबैग, 360-डिग्री कैमरा, टायर प्रेशर मॉनिटर, ब्लाइंड-स्पॉट मॉनिटर, क्रॉस ट्रैफिक अलर्ट, ऑटो पार्किंग, ऑनकमिंग लेन मिटिगेशन, रोड साइन रिकॉग्निशन और हिल डिसेंट कंट्रोल जैसे सेफ्टी फीचर्स दिए गए हैं।

क्रिप्टोकरेंसी मूर्ख बनाने वाली नकली चीज : बिल गेट्स

वाशिंगटन ।

माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर और अरबपति उद्योगपति बिल गेट्स फिर क्रिप्टोकरेंसी पर बरसे हैं। बिल गेट्स ने क्रिप्टोकरेंसी को मूर्ख बनाने वाली एक बड़ी थ्यौरी पर आधारित नकली चीज करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह न लॉन्ग टर्म की और न ही शॉर्ट टर्म की संपत्ति है। रिपोर्ट के मुताबिक, बिल गेट्स ने क्रिप्टोकरेंसी पर कटाक्ष कर कहा, जाहिर है, बंदरों के महंगे चित्रों से दुनिया में सुधार होने जा रहा है। उनका इशारा नॉन-फंगिबल टोकन्स की ओर था। गौरतलब है कि बिल गेट्स क्रिप्टोकरेंसी के कटु आलोचक हैं, वे इसलेकर टेस्ला सीईओ एलन मस्क से भी भिड़ चुके हैं। बिल गेट्स ने पिछले साल बिटकॉइन को खुदरा निवेशकों के लिए बेहद जोखिम भरा बताया था। कॉइन्स की माइनिंग से पर्यावरण को होने वाले नुकसान को लेकर उनकी एलन मस्क से तीखी बहस हुई थी। डिजिटल एसेट्स पर बिल गेट्स को भरोसा नहीं है। गेट्स ने कहा था कि उन्होंने क्रिप्टोकरेंसी में अपना कोई पैसा नहीं लगाया है। बिल गेट्स ने कहा कि वे ऐसी चीज में पैसा लगाना पसंद करूंगा, जिसका कोई वैल्यूएबल आउटपुट हो। डिजिटल एसेट्स इसतरह के निवेश में नहीं आती हैं।

नवंबर 2021 में ग्लोबल क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैप 2.9 लाख करोड़ डॉलर के पीक पर था, लेकिन इस साल क्रिप्टो की मार्केट वैल्यू में भारी कमी आई है। पिछले दो महीनों में इसकी वैल्यू 1 लाख करोड़ डॉलर कम हो चुकी है। बुधवार को भारतीय समयानुसार सुबह 9:42 बजे तक ग्लोबल क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैप लगभग 1.3 फीसदी की गिरावट के साथ 916 बिलियन डॉलर पर आ गई है। पिछले साल 10 नवम्बर के बाद से यह अब तक 70 फीसदी से ज्यादा गिर चुकी है।

चौथे टी20 के लिए राजकोट पहुंची भारतीय टीम का हुआ भव्य स्वागत

राजकोट । भारतीय क्रिकेट टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चौथे टी20 क्रिकेट मैच के लिए राजकोट पहुंच गई है। दोनों ही टीमों के बीच चौथा टी20 क्रिकेट मैच शुक्रवार को सौराष्ट्र क्रिकेट संघ स्टेडियम में खेला जाएगा। कप्तान ऋषभ पंत उपकप्तान हार्दिक पंड्या, श्रेयस अय्यर सहित पूरी टीम और सहायोगी स्टाफ का होटल पहुंचने पर पारंपरिक नृत्य गरबा से स्वागत किया गया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम के राजकोट पहुंचने पर एक वीडियो भी साझा किया है। इसमें बीसीसीआई ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर जो वीडियो भेजा है। उसमें भारतीय खिलाड़ियों के विशाखापत्तनम से विमान में बैठने के साथ ही राजकोट पहुंचने का पूरा सफर दिखाया गया है। राजकोट पहुंचने के बाद खिलाड़ी टीम होटल के लिए बस से रवाना होते हैं जहां उनका पारंपरिक गरबा नृत्य से स्वागत किया गया। युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप भी इस दौरान डांस करने लगे। हार्दिक पंड्या, ईशान किशन और श्रेयस अय्यर विशाखापत्तनम से रवाना होने से पहले सेल्फी लेते हुए नजर आ रहे हैं। तीनों टीम की ट्रेनिंग किट के साथ काफी खुश नजर आये। वहीं टीम इंडिया के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के अलावा कोई भी सहयोगी स्टाफ का सदस्य राजकोट में नहीं रहेगा।

(राजकोट) दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आज जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

राजकोट ।

भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार को मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले चौथे टी20 मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। तीसरे टी20 में मिली जीत से भारतीय टीम ने सीरीज में वापसी की थी और अब उसका लक्ष्य इस सिलसिले को आगे बढ़ाना रहेगा। भारतीय टीम को इस मैच में अगर जीत दर्ज करनी है तो कप्तान ऋषभ पंत को बड़ी पारी खेलनी होगी। अब तक हुए तीनों मैचों में वह रन नहीं बना पाये हैं। भारतीय टीम पांच मैचों की इस सीरीज में 2-1 से पीछे है , ऐसे में यह मैच भारतीय टीम के लिए बेहद अहम है। इस मैच में अगर भारतीय टीम हारती है तो सीरीज उसके हाथ से निकल जाएगी। इस मैच में भारतीय टीम के बल्लेबाजों के साथ ही गेंदबाजों को भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। ऋषभ अगर इस मैच में बड़ी पारी खेलते हैं तो भारतीय टीम बड़ा स्कोर बनाने में सफल रहेगी और मध्यक्रम पर दबाव भी घटेगा जिससे निचले क्रम के खिलाड़ी तेजी से रन बना सकेंगे। बीच के ओवरों में दबाव से बचा जा सके। पहले दो मैचों में भारतीय टीम की हार के कारण ऋषभ की कप्तानी पर भी सवाल उठे हैं और ऐसे में वह इस मैच में भारतीय टीम को शानदार जीत दिलाना चाहेंगे। पिछले दो मैचों में भारतीय कप्तान को दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों ने खेलने का अवसर नहीं दिया। ऐसे में इस मैच में वह उस कमी से दूर करना चाहेंगे। तीसरे मैच की तरह ही टीम को इस मैच में भी रूतुराज गायकवाड़ और ईशान किशन से अच्छी शुरुआत की उम्मीद रहेगी। ईशान ने पहले दो मैचों में अच्छी बल्लेबाजी करके सलामी बल्लेबाज के तौर पर अपने को निखारा है। उपकप्तान हार्दिक पंड्या शानदार फार्म में हैं और इस सिलसिले को इस मैच में भी बनाये रखना चाहेंगे। वहीं बल्लेबाज

श्रेयस अय्यर भी इस मैच में अच्छी बल्लेबाजी करना चाहेंगे। अब तक हुए दोनो ही मैचों में अय्यर रन बनाने में असफल रहे हैं। अब टीम को उनसे तीसरे नंबर पर अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी। इस मैच में मध्यक्रम के बल्लेबाजों को भी अपनी जिम्मेदारी ठीक से निभानी होगी। पिछले मैच में अच्छी शुरूआत के बाद भी बीच के ओवरों में भारतीय टीम रनों के संघर्ष करती दिखी थी हालांकि हार्दिक ने तेजी से रन बनाकर टीम को संभाला ओर अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। तीसरे मैच में स्पिनर युजवेंद्र चहल और अक्षर पटेल और हर्षल पटेल ने अच्छा प्रदर्शन किया था। अक्षर ने बल्लेबाजों पर अंकुश लगाकर दबाव बना जबकि चहल ओर हर्षल ने विकेट लिए। पिछले मैच में तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने अच्छी गेंदबाजी की थी , वहीं आवेश खान ने कसी हुई गेंदबाजी कर मेहमान टीम को रन बनाने का अवसर नहीं दिया।

दूसरी ओर मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका इस मैच को जीतकर सीरीज पर कब्जा करने के इरादे से उतरेगी। उसके कप्तान तेम्बा बावुमा का कहना है कि पिछले मैच में बल्लेबाज ओर गेंदबाज उम्मीद के अनुरुप प्रदर्शन नहीं कर पाये जिससे टीम को हार झेलनी पड़ी थी। साथ ही कहा कि इस मैच में टीम पिछली हार को भूलकर उतरेगी। साथ ही कहा कि टीम में कोई बदलाव नहीं होगा। सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक के कलाई की चोट ठीक हो गयी है ओर उनके इस मैच में खेलने की पूरी उम्मीद है। उनके खेलने से टीम की बल्लेबाजी बेहतर होगी।

राहुल इंग्लैंड दौरे से बाहर हुए , इलाज के लिए जर्मनी जाएंगे

मुंबई ।

बल्लेबाज लोकेश राहुल फिट नहीं होने के कारण इंग्लैंड दौरे से बाहर हो गए हैं। राहुल अभी एनसीए में रिहैबिलिटेशन के दौर से गुजर रहे हैं। अब कहा गया है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) राहुल को ग्रोइन इंजरी के लिए इलाज के लिए जर्मनी भेजने जा रहा है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा, ' हां राहुल को इलाज के लिए जर्मनी भेजा जा रहा है। % वह इस माह के अंत तक या जुलाई की शुरुआत में जर्मनी रवाना होंगे। जर्मनी में इलाज करवाने से यह साफ है कि वह इंग्लैंड दौरे से पूरी तरह से बाहर हो गये हैं। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे में एक टेस्ट के अलावा एकदिवसीय और टी20 मैचों की सीरीज भी खेलेगी। गुरुवार सुबह भारतीय टीम का एक जत्था एजबैस्टन टेस्ट के लिए इंग्लैंड रवाना हो गया। इंग्लैंड दोरे के लिए तीन टी20 और तीन एकदिवसीय मुकाबलों सहित सात मैचों की सीरीज में राहुल को उपकप्तान बनाया गया था पर अब ये जिम्मेदारी किसी अन्य खिलाड़ी को देनी होगी। राहुल को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास के दौरान चोट लग गयी थी। इस कारण वह सीरीज से बाहर हो गये थे जबकि उन्हें इस दौरे के लिए कप्तान बनाया गया था।

मिताली से मिली सहायता : यास्तिका

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की युवा बल्लेबाज यास्तिका भाटिया ने पूर्व कप्तान मिताली राज के बारे में कहा है कि उन्होंने मेरी काफी सहायता की थी। 21 वर्षीय यास्तिका ने साल 2021 में मिताली की कप्तानी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। यास्तिका ने कहा कि मिताली की सलाह और मार्गदर्शन से ही मेरा करियर आगे बढ़ा। मिताली ने इस माह खेल को अलविदा कह दिया था। यास्तिका ने कहा, ' मिताली मुझे प्रधानमंत्री कहकर बुलाती हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि मैं टीम बैठक में बहुत बात करती हूं और अपनी राय रखती हूं। मैं मिताली से उनके सोचने की प्रक्रिया और खेल के बारे में बहुत सवाल करती हूं। जब हम कॉफी पीने के लिए जाते हैं तब भी मैं बहुत बोलती हूं। हम दोनों के बीच अच्छी बॉन्डिंग है।' यास्तिका ने 13 वनडे, तीन टी20 और एक टेस्ट मैच खेले हैं। यास्तिका ने इस वर्ष न्यूजीलैंड में आयोजित विश्व कप में भी भाग लिया था। यास्तिका ने कहा कि जब मैंने इंडिया के लिए डेब्यू किया, उस समय मिताली ही टीम की कप्तान थीं। तब उन्होंने मेरी काफी मदद की। उनके संन्यास के फैसले से मैं दुखी हूं। मैं उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देती हूं। इस खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले में मिताली के साथ अपनी साझेदारी को विशेष बताया।

इंग्लैंड दौरे पर रवाना हुई भारतीय टीम, पुजारा की वापसी

मुम्बई ।

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड दौरे पर रवाना हो गयी है। भारतीय टीम इस दौरे में 1 जुलाई से एकमात्र टेस्ट मैच के अलावा टी20 ओर एकदिवसीय सीरीज भी खेलेगी। इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम एक टेस्ट मैच, के साथ तीन टी20 और तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज खेलेगी। भारतीय टीम के इस दौरे में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी शामिल हैं। कोहली को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए आराम दिया गया था। वहीं काउंटी क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के कारण बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा की भी टेस्ट टीम में वापसी हुई है। इसके अलावा बल्लेबाज शुभमन गिल, तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी, ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा, तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, विकेटकीपर बल्लेबाज के भरत, ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी इंग्लैंड दौरे के लिए रवाना हुए हैं। दौरे पर रवाना होने से पहले टीम की कोविड जांच भी हुई। इंग्लैंड पहुंचने पर एक बार फिर यह जांच होगी। भारतीय टीम इस दोरे पर पिछले साल कोरोना संक्रमण के कारण नहीं हो पाये एक टेस्ट मैच

को भी खेलेगी।

दोनों ही टीमों के बीच यह मुकाबला 1 जुलाई से खेला जाएगा। वहीं टी20 सीरीज की आगाज 7 जुलाई से होगा। सीरीज का दूसरा मैच 9 और तीसरा 10 जुलाई को खेला जाएगा। इसके अलावा एकदिवसीय सीरीज की शुरुआत 12 जुलाई से होगी। दोनों टीमों के बीच दूसरा एकदिवसीय मैच 14 और तीसरा 17 जुलाई को खेला जाना है।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रमण्डल खेलों के लिए अपनी तकनीक में सुधार करेंगे नीरज

नई दिल्ली । भारत के ओलंपिक स्वर्ण विजेता भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने कहा है कि अब उनकी नजरें बर्मिंघम राष्ट्रमण्डल खेलों पर लगी हैं। नीरज के अनुसार फिनलैंड में हुए पावो नुरमी खेलों में वह अपने प्रदर्शन से संतुष्ट हैं और अब अपनी तकनीक को और बेहतर करना चाहते हैं। नीरज ने पावो नुरमी खेलों में कड़े मुकाबले के बीच ही 89.30 मीटर का भाला फेंककर अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने के साथ ही रजत पदक जीता है। चोपड़ा ने कहा, 'मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं। यह इस सत्र में मेरा पहला टूर्नामेंट था और सत्र की अच्छी शुरुआत से मुझे खुशी हुई है। इससे मेरा मनोबल बढा है।' अब मैं अपनी तकनीक, थ्रो और कुल प्रदर्शन पर काम करना चाहता हूं। इसके साथ ही मेरी नजरें आने वाले टूर्नामेंटों में अच्छे प्रदर्शन पर बनी रहेंगी। इससे पहले नीरज ने पिछले साल पटियाल में 88 . 07 मीटर भाला फेंककर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। वहीं अब उनकी नजरें बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों पर है। नीरज ने कहा , 'अब अगले कुछ टूर्नामेंटों पर मेरा ध्यान है क्योंकि राष्ट्रमंडल खेलों में भी कड़ी टक्कर मिलेगी।' फिनलैंड में स्थानीय खिलाड़ी ओलिवर हेलांडर ने 89 . 83 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण जीता जबकि विश्व चैंपियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स यहां तीसरे स्थान पर रहे। नीरज टोक्यो ओलेंपिक के 10 महीन बाद यहां ट्रैक पर उतरे थे। वह इस समय विदेश में अभ्यास कर रहे हैं। वह राष्ट्रमण्डल खेलों से पहले फिनलैंड में कोर्टेन खेलों में भाग लेंगे। इसके बाद वह डायमंड लीग में भी उतरेंगे।

आईपीएल को ढाई महीने की विंडो दिये जाने का विरोध करेगा पीसीबी

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कार्यक्रम प्रभावित होने की आशंका जतायी

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के अगले भविष्य दौरा प्रोग्राम (एफटीपी) कैलेंडर में आईपीएल को ढाई महीने की विंडो दिए जाने के प्रस्ताव का विरोध करेगा। पीसीबी ने कहा है कि इस मामले में वह अन्य देशों के क्रिकेट बोर्ड से बातचीत के बाद ही कोई फैसला करेगा। पीसीबी का मानना है कि आईपीएल के कारण अन्य देशों का क्रिकेट कार्यक्रम भी प्रभावित होगा क्योंकि सभी शीर्ष क्रिकेटर इसमें व्यस्त हो जाएंगे। इससे पहले बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा था कि आईसीसी की ओर से साल 2024 से 2031 के एफटीपी चक्र में आईपीएल के लिए ढाई महीने का विंडो मिल सकता है। शाह ने कहा था , 'अगले एफटीपी चक्र से आईपीएल के लिए ढाई महीने का विंडो रहेगा। इस प्रकार सभी शीर्ष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर इसमें खेल सकेंगे। साथ ही कहा कि हमने इस मामले में दूसरे बोर्ड और आईसीसी से भी इस पर बात की है।' वहीं दूसरी ओर पीसीबी का मानना है कि मामले पर चर्चा की जरूरत है। पीसीबी के एक अधिकारी ने कहा , 'आईसीसी बोर्ड की बैठक बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान जुलाई में होगी और तभी इस मामले पर बात होगी। '

आईपीएल प्रसारण अधिकार 48390 करोड़ में बिके , प्रीति जिंटा ने जताया आभार

वायकॉम18 को डिजिटल , स्टार इंडिया को टीवी प्रसारण अधिकार

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले 5 साल के लिए प्रसारण (टीवी और डिजिटल मीडिया) अधिकार 48390 करोड़ में बिके हैं। आईपीएल प्रसारण के लिए ई-ऑक्शन प्रक्रिया पूरी हो गई है। इसमें साल 2023 से 2027 तक के लिए प्रसारण अधिकार दिये गये हैं। बीसीसीआई सचिव जय शाह के मुताबिक, वायकॉम18 को 23,758 करोड़ रुपए के साथ डिजिटल प्रसारण अधिकार मिले हैं। वहीं स्टार इंडिया को 23,575 करोड़ रुपए में टीवी अधिकार दिए गए हैं। गौरतलब है कि स्टार ने पिछली बार टीवी और डिजिटल दोनो ही अधिकार 16,348 करोड़ में खरीदे थे। इस बार यह तीन गुना से ज्यादा बढ़े हैं। जय शाह ने कहा कि मीडिया अधिकार से बीसीसीआई को कुल 48 हजार 390 करोड़ रुपए से भी ज्यादा की आय होगी।

बीसीसीआई ने इस बार 4 अलग-अलग वर्गों में प्रसारण अधिकारों के लिए रविवार से बोली शुरू की थी। इसके पहले पैकेज में भारतीय उपमहाद्वीप के टीवी अधिकार शामिल थे। वहीं, दूसरे पैकेज में भारतीय उपमहाद्वीप के डिजिटल अधिकार को शामिल किया गया था जबकि तीसरे पैकेज में कुछ मैचों और चौथे पैकेज में भारतीय उपमहाद्वीप के बाहर के टीवी और डिजिटल प्रसारण अधिकार शामिल थे।

वहीं आईपीएल टीम पंजाब किंग्स की सह-मालिक और बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने भी ई-नीलामी प्रक्रिय को लेकर बीसीसीआई अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने लिखा, 'बधाई और एक बड़ा धन्यवाद जय शाह, सौरव गांगुली, अरुण धूमल और बीसीसीआई। केपीएमजी कॉर्पोरेट फाइनेंस में हर किसी का शुक्रिया। विशेष रूप से आईपीएल मीडिया अधिकारों में इस ब्लॉकबस्टर छलांग के लिए श्रीनिवासन आईपीएल फैंस, क्रिकेट प्रेमियों और प्रत्येक भारतीय के लिए एक बहुत ही खास दिन है।' इस नीलामी के आईपीएल विश्व के शीर्ष खेल लीग में शामिल हो गयी है। उससे उपर प्रीमियर लीग, अमेरिकी बॉस्केट बॉल लीग और दो लीग शामिल हैं।

दक्षिण अफ्रीकी टीम में नहीं होगा बदलाव : बावुमा

विशाखापट्टनम । दक्षिण अफ्रीका की टीम भारत के खिलाफ होने वाले चौथे टी20 क्रिकेट मुकाबले के लिए कोई बदलाव नहीं करेगी। दक्षिण अफ्रीकी टीम के कप्तान तेम्बा बावुमा ने कहा है कि केवल एक मैच में मिली हार के बाद अपनी रणनीति में बदलाव करने का सवाल ही नहीं उठता है। पहले दो मैच जीतने के बाद दक्षिण अफ्रीकी टीम को तीसरे टी20 मैच में भारत के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था हालांकि पहले दो मैच में उसे जीत मिली है। तीसरी टी20 को लेकर बावुमा ने कहा, 'पहले दो ओवर में हम हमेशा गेंद समझते हैं और फिर पारी में लय लाने का प्रयास करते हैं, फिर अपने बड़े खिलाड़ियों के लिए प्लेटफॉर्म तैयार करते हैं।' यही रणनीति हमारे लिये कारगर रही है और केवल एक हार के बाद इसे बदलना कहीं से भी सही नहीं कहा जा सकता। बावुमा ने कहा, 'मुझे लगता है कि भारतीय स्पिनरों ने तीसरे मैच में हमारे बल्लेबाजों पर दबाव बना दिया था। जिससे वह बाहर नहीं आ पाये। हालातों को अपने पक्ष में करने के लिये उनके स्पिनरों को श्रेय देना ही होगा। ' उन्होंने कहा, 'भारतीय गेंदबाजों ने काफी अच्छी गेंदबाजी की, उनके कप्तान ने मैच के शुरू में ही स्पिनरों को लगा दिया और मुझे लगता है कि इससे बड़ा अंतर आया। हमने बाद में स्पिन आक्रमण लगाया और यहीं हमसे भूल हुई। बल्लेबाजी में हम कोई साझेदारी नहीं बना सके जिससे मैच हमारे हाथ से निकल गया।

समीर और प्रणय इंडोनेशिया ओपन बैडमिंटन के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचे , श्रीकांत और लक्ष्य बाहर

जकार्ता । भारत के समीर वर्मा व एचएस प्रणय इंडोनेशियाई ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये हैं। समीर का सामना अब प्री क्वार्टर फाइनल में ली जिया से होगा जबकि प्रणय की मुकाबला हांगकांग के अनगस नग का लॉन्ग से होगा।वहीं भारत के ही अनुभवी खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत और लक्ष्य सेन पहले ही दौर में हार के साथ ही बाहर हो गये हैं। लक्ष्य को साथी खिलाड़ी एचएस प्रणय ने सीधे गेमों में हराया जबकि श्रीकांत को फ्रांस के ब्राइस लीवरडेज के हाथों हार का सामना करना पड़ा। लक्ष्य को इससे पहले इंडोनेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में भी हार का सामना करना पड़ा था। लक्ष्य को पुरुषों के एकल वर्ग के पहले दौर के मुकाबले में प्रणय ने लगातार दो गेमों में 21-10, 21-9 से हराया जबकि श्रीकांत को ब्राइस लीवरडेज ने 23-21, 21-10 से पराजित किया। वहीं प्रणय की लक्ष्य सेन के खिलाफ तीन मैचों में यह पहली जीत थी। युगल में एम आर अर्जुन और ध्रुव कपिला ने जापान के केलिचिरो मत्सुइ और योशिनोरी ताकेउची को 27-25, 18 -25, 21-19 से हराया। दूसरी ओर महिला युगल में अश्विनी भट और शिखा गौतम को चीन के झांग शू शियान और झेंग यू ने 28 मिनट में 21-9, 21-10 से हराया। हरिता हरिनारायण और आशना नॉय को दक्षिण कोरिया के जियोंग ना युन और हिम ये जियोंग ने सीधे गेमों में हराया।

महिला खिलाड़ियों के होने पर दम में एक महिला कोच शामिल करना अनिवार्य : साई

नई दिल्ली ।

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने कहा है कि अब खेल महासंघों (एनएसएफ) को घरेलू और विदेश में होने वाली प्रतियोगिताओं में महिला खिलाड़ियों के होने पर एक महिला कोच को अनिवार्य रुप से शामिल करना होगा। साई ने यह आदेश हाल में में महिला खिलाड़ियों द्वारा अपने कोच के खिलाफ उत्पीड़न के लगाये गये आरोपों को देखते हुए दिया है। हाल की घटनाओं को देखते हुए साई महानिदेशक संदीप प्रधान ने नये प्रोटोकॉल पर चर्चा करने के लिए 15 से ज्यादा एनएसएफ के अधिकारियों से साथ बातचीत भी। हाल ही में एक महिला साइक्लिस्ट ने स्लोवेनिया दौरे में मुख्य कोच आर के शर्मा पर आपत्तिजनक व्यवहार को आरोप लगाते हुए पुलिस में मामला दर्ज कराया है। इस मामले में कोच को हटा दिया गया है। इसके साथ ही उनके खिलाफ जांच भी शुरु हो गयी है। इससे पहले एक महिला नौका चालक ने भी जर्मनी में ट्रेनिंग के दौरान कोच के व्यवहार पर नाराजगी व्यक्त करते हुए असहज महसूस कराने की शिकायत दर्ज की थी।

साई की ओर से जारी बयान के अनुसार, एनएसएफ पर कुछ 'जिम्मेदारियां' सौंपी गई हैं जिसमें 'घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए यात्रा के दौरान महिला खिलाड़ी होने की स्थिति में दल में महिला कोच ले जाना अनिवार्य होना' भी शामिल है। एनएसएफ को सभी राष्ट्रीय कोचिंग कैंप और विदेशी दौरों में अनुपालन अधिकारी (पुरुष और महिला) नियुक्त करने को कहा गया है। अनुपालन अधिकारी की भूमिका और जिम्मेदारियों में खिलाड़ी और अन्य के साथ नियमित रूप से संवाद करना शामिल होगा ताकि सुनिश्चित हो कि दिशानिर्देशों का पालन किया जा रहा है और साथ ही खेलों में शारीरिक उत्पीड़न रोकने के लिये मानक परिचालन प्रक्रिया लागू करना भी शामिल होगा।

बयान के मुताबिक, 'में उन्हें यह भी पक्का करना होगा कि अगर कोई सदस्य उल्लंघन की रिपोर्ट करता है तो इसे जल्द से जल्द जिम्मेदार अधिकारियों को जानकारी देनी होगी।' महासंघों से यह भी कहा गया है कि 'वे 'शिविर पूर्व संवेदीकरण मॉड्यूल' डिजाइन करें और किसी भी राष्ट्रीय कोचिंग शिविर और विदेशी दौरों के शुरू होने से पहले सभी खिलाड़ियों, कोचों और सहयोगी स्टाफ को एक साथ इसे प्रस्तुत करें।' साई ने एनएसएफ से अपने कोचिंग विभागों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने को भी कहा है।

फिलीपींस में एफआईवीबी वॉलीबॉल नेशंस लीग में खेलती हुई चीन की ग्योंग जियांगू व अन्य खिलाड़ी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

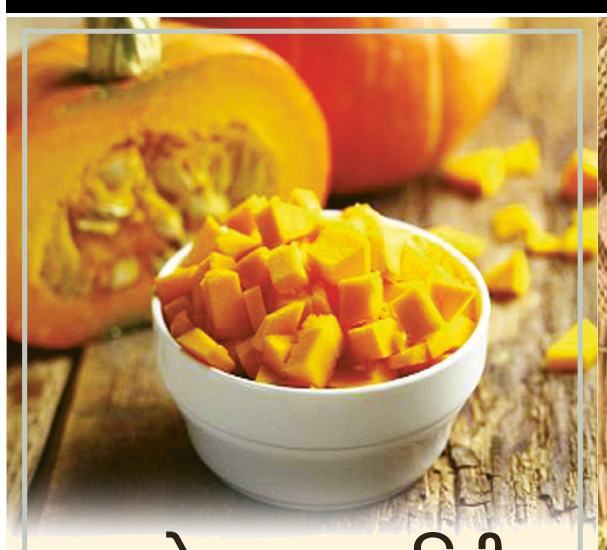

ब्लड प्रेशर व डायबिटीज के मरीजों के लिए वरदान है कद्दू

कद्दू एक ऐसी सब्जी के जिसे बच्चे से लेकर बड़े तक हर खाने में मुंह बनाता है। मगर एक्सपर्ट्स के अनुसार, यह गुणों से भरपूर होती है। इसमें कैल्शियम, आयरन, फाइबर, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट आदि गुण होते हैं। ऐसे में इसका सेवन करने से इम्यूनिटी स्ट्रांग होने से लेकर वजन घटाने में मदद मिलती है। इसके साथ ब्लड प्रेशर व डायबिटीज के मरीजों के लिए यह वरदानस्वरूप है। चलिए जानते हैं इसे खाने के बेहतरीन गुणों के बारे में

डायबिटीज में फायदेमंद

एक्सपर्ट्स के अनुसार, टाइप 2 डायबिटीज के मरीजों के लिए कद्दू बेहद फायदेमंद मानी गई है। इसका सेवन करने से शुगर लेवल कंट्रोल रहता है। ऐसे में डायबिटीज के मरीजों को इसका सेवन जरूर करना चाहिए।

हाई बीपी रखे कंट्रोल

कद्दू में पोटैशियम भरपूर होता है। ऐसे में यह ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर माना जाता है। इसलिए ब्लड प्रेशर के मरीजों को इसका सेवन जरूर करना चाहिए।

इम्यूनिटी करे स्ट्रांग

कद्दू में विटामिन-ए, सी, ई आदि गुण होते हैं। इसके सेवन से तेजी से इम्यूनिटी बढ़ती है। ऐसे में शरीर को बीमारियों से लड़ने की अंदर से मजबूती मिलती है। साथ ही सर्दी, जुकाम, मौसमी व अन्य बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कई गुणा कम रहता है।

कब्ज से दिलाए राहत

गलत खानपान के चलते बहुत से लोगों को कब्ज की शिकायत रहती है। ऐसे में इस समस्या से राहत पाने के लिए कद्दू का सेवन करना फायदेमंद माना जाता है। इसके बीजों में फाइबर होने से पाचन शक्ति तेज होती है। ऐसे में कब्ज व पेट संबंधी अन्य समस्याओं से बचाव रहता है।

आंखों के लिए फायदेमंद

इसमें बीटा कैरोटीन होता है। ऐसे में यह आंखों के लिए स्वस्थ माना जाता है। इसके सेवन से आंखों की रोशनी बढ़ने के साथ इससे जुड़ी समस्याएं होने से बचाव रहता है।

हड्डियों होगी मजबूत

कद्दू में कैल्शियम उचित मात्रा में होता है। ऐसे में इसका सेवन करने हड्डियां मजबूत होती है। इसके साथ ही ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा कम रहता है। इसलिए बच्चे से लेकर बड़ों तक हर उम्र के लोगों को इसे अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।

वजन घटाए

इसका सेवन करने से वजन कम करने में भी मदद मिलती है। ऐसे में मोटापे से परेशान लोगों को इसे अपनी डेली डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।

हीमोग्लोबिन को मेंटेन करने में मदद करती हैं ये चीजें

हीमोग्लोबिन शरीर के सभी अंगों को ऑक्सीजन देता है। शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ाने के लिए कई सारी चीजों को डाइट में शामिल किया जा सकता है। तो चलिए जानते हैं ऐसे नट्स के बारे में जो आयरन की कमी को पूरा करेंगे और आपके हीमोग्लोबिन को तुरंत बढ़ाएंगे।

शरीर को फिट रखने में भरपूर मात्रा में न्यूट्रिएंट्स खाना बेहद जरूरी है। यदि किसी भी पोषक तत्व की कमी हो जाती है, तो यह शरीर के लिए परेशानी का कारण बनने लगता है। अक्सर लोगों में हीमोग्लोबिन ऐसे में आयरन हीमोग्लोबिन बनाने के लिए महत्तवपूर्ण है। शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ाने के लिए कई सारी चीजों को डाइट में शामिल किया जा सकता है।

काजू

अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है तो आप काजू खा सकते हैं। ये आपकी भूख को कम करता है साथ ही शरीर को पोषक तत्व मिलते हैं। एक मुट्ठी काजू में 189 मिली ग्राम आयरन होता है। ऐसे में जंक फूड खाने से अच्छा है कि आप स्नैक्स में एक मुट्ठी काजू का सेवन करें।

पिस्ता

पिस्ता स्वाद से भरपूर है और स्नैक्स के लिए सबसे अच्छा है। अगर आपको आयरन की कमी है तो एक मुट्ठी पिस्ता खाएं। एक मुट्ठी पिस्ता में 1.11 मिली ग्राम आयरन होता है।

बादाम

भिगे बादाम खाने से शरीर को कई तरह के पोषक तत्व मिलते हैं। अगर आप एक मुट्ठी बादाम का सेवन करते हैं तो आपको 1.05 मिली ग्राम मिलता है। कई लोग बादाम का दूध और बादाम के बटर का सेवन करते हैं। ऐसे आपको रोजाना बादाम का सेवन करना चाहिए।

अखरोट

अखरोट में सबसे ज्यादा पोषक तत्व होते हैं। ये आपके दिमाग को शार्प करने में मदद करता है। साथ ही कम हीमोग्लोबिन वाले लोगों को रोजाना अखरोट का सेवन करना चाहिए। एक मुट्ठी अखरोट खाने से आपको 08 मिली ग्राम प्रोटीन मिलता है।

मुंगफली

अगर आप मेवा नहीं खा सकते है, तो आप मुंगफली का सेवन कर सकते हैं। एक मुट्ठी मुंगफली में 13 मिलीग्राम मिनीरल्स होते है।

बेजोड़ सुंदरता और स्वास्थ्य चाहिए, तो रोजाना पिएं एक गिलास नोनी फ्रूट जूस

यंग दिखने के लिए अब आपको रॅपन्जेल के बालों की जरूरत नहीं है। इसके बजाय, एक गिलास नोनी फ्रूट जूस आपकी मदद कर सकता है। हम जानते हैं कि यह फल आपके लिए नया है, लेकिन आयुर्वेद में भी इस अद्भुत फल का उल्लेख किया गया है। आजकल जहां रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है, वहां नोनी फल आपकी मदद कर सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह फल पोषक तत्वों से भरा हुआ है जो न केवल शरीर की कोशिकाओं के पुनर्जनन में मदद करता है, बल्कि विभिन्न वायरस द्वारा हुए नुकसान की मरम्मत में भी मदद करता है। नोनी फल विटामिन ए, विटामिन इ, विटामिन डी3 और आयरन जैसे एंटीऑक्सिडेंट का एक पावरहाउस है। यह सब न केवल आपके आंतरिक कल्याण के लिए, बल्कि बाहरी सुंदरता के लिए भी फायदेमंद हैं। नोनी फल के स्वास्थ्य लाभ

- नोनी फ्रूट जूस पीने से ब्लड शुगर लेवल बनाए रखने में मदद मिलती है
- नोनी फल में एंटीऑक्सिडेंट के साथ-साथ जीवाणुरोधी और एंटीफंगल गुण होते हैं जो इसे आपकी त्वचा के लिए बहुत अच्छा बनाते हैं। नोनी फ्रूट जूस पीने से न केवल आपके रक्त को डिटॉक्स करने में मदद मिलती है, बल्कि यह आपके पेट के स्वास्थ्य को भी नियंत्रित रखता है। यह सब बेहतर कोशिका संरचना और चिरस्थायी सौंदर्य की ओर ले जाता है।
- **यह जोड़ों की समस्याओं को दूर करता है**
  गठिया से जूझ रहे लोग दर्द का सही अर्थ जानते हैं। आखिरकार, वे दिन-ब-दिन इससे गुजरते हैं। इसके अलावा, इस रोग से संबंधित विकृतियां और भी अधिक समस्याग्रस्त हैं। लेकिन अगर आप अपने दैनिक आहार में नोनी फ्रूट जूस को शामिल करते हैं, तो आप इस समस्या से अच्छी तरह निपट सकते हैं, जैसा कि फूड्स जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चलता है।
- **नोनी जूस आपके बालों के लिए बहुत अच्छा है**
  पसीना और नमी आपके स्कैल्प में बैक्टीरिया के विकास का कारण बन सकते हैं। यह बालों के रोम को नुकसान पहुंचा सकता है, जिसकी वजह से आपको स्कैल्प में खुजली, रूसी और बालों का झड़ना जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लेकिन आप नोनी फ्रूट जूस का सेवन करके, इसके जीवाणुरोधी और एंटीफंगल गुणों के कारण इसे कम कर सकते हैं।
- **यह थकान को कम करने के लिए जाना जाता है**
  थकान का प्रमुख कारण आयरन की कमी है, जिससे एनीमिया हो सकता है। नोनी फल आयरन का एक बड़ा स्रोत है, और इसीलिए यह गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए भी बहुत अच्छा है। तो, अब आप जानते हैं कि यदि आप ऊर्जा पर कम हैं तो आपको क्या चाहिए।
- **यूरिक एसिड को कम करता है**
  उच्च यूरिक एसिड बुजुर्गों में सबसे आम समस्याओं में से एक है। यह समस्या न केवल पूरी प्रतिरक्षा प्रणाली को बाधित करती है, बल्कि यह पूरी तरह से दर्दनाक भी है। अगर आपके घर में कोई ऐसा ही है, तो बिना समय बर्बाद किए उनकी डाइट में एक गिलास नोनी जूस शामिल करें और बदलाव देखें।
- **मानसून से संबंधित बीमारियों के लिए**
  मानसून बीमारियों के साथ आता है। खांसी, जुकाम, बदन दर्द, बुखार, दस्त आदि। लेकिन आप में से जो नोनी फल खा रहे हैं, उन्हें सुरक्षा मिलेगी। इसका कारण, इम्युनिटी है!

करेले में छुपे हैं ढेरों फायदे

कई ऐसी फल और सब्जियां हैं, जो हमारे लिए काफी गुणकारी हैं। ये हमें कई तरह की बीमारियों से बचाकर स्वस्थ और फिट रखती हैं। कई लोग इनके फायदों से इतने अवगत नहीं होते। अब करेले को ही लीजिए। कड़वेपन के कारण कई लोग करेला खाना पसंद नहीं करते हैं, जबकि करेले में हमारे लिए ढेरों फायदे छुपे होते हैं।

करेले के फायदों को देखते हुए सभी को करेले को प्रमुखता से अपने खानपान का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। इसे सब्जी के रूप में और साथ ही जूस के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। जानते हैं करेले खाने से हमें कितने फायदे मिलते हैं।

करेला हर किसी की सेहत के लिए अच्छा होता है लेकिन लोग इसे खाना पसंद नहीं करते हैं क्योंकि इसे खाकर लोग अक्सर कड़वा महसूस करते हैं। लेकिन करेला सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद साबित होता है इसलिए आपको इससे दूर नहीं भागना चाहिए बल्कि आपको इससे दोस्ती करनी चाहिए। और हर दिन इसे अपनी डाइट में शामिल करें ताकि आपकी सेहत अच्छी रहे।

अगर आप करेले की सब्जी खाते हैं। तो ऐसे में आप जूस भी लें, इससे आपकी स्किन समस्या के साथ बालों और डायबिटीज को भी काफी फायदा मिलता है। करेले का जूस पीने से आपका चेहरा भी ग्लो करता है। साथ ही बॉडी अच्छे से डिटॉक्स हो जाती है जिससे वेट कंट्रोल होता है। करेला विटामिन सी से भरपूर होता है। ऐसे में जानें कैसे करेले के जूस का इस्तेमाल करें।

डायबिटीज में फायदे

डायबिटीज में करेला हमेशा फायदेमंद साबित होता है। इसमें इंसुलिन जैसा प्रोटीन होता है जिसे पॉलीपेप्टाइड पी कहा जाता है। इसके साथ ही ये डायबिटीज के ब्लड शुगर लेवल को कम करता है म्ये नेचुरल तरीके से आपके डायबिटीज को कम करता है, इसे खाली पेट पीएं।

लिवर के लिए फायदेमंद

करेले का जूस आपकी आंतो को साफ करता है, दरअसल जूस में मोमोर्डिका चारेंटिया नामक एक तत्व पाया जाता है। ये एक एंटीऑक्सीडेंट है जो लिवर को मजबूत करके लिवर डैमेज से सुरक्षा प्रदान करता है, ये आपके ब्लैडर के काम को भी बढ़ावा देता है।

मोटापा कम करे

करेले का जूस मोटापा कम करने में काफी मदद करता है। दरअसल करेले में कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है। जिससे कैलोरी कंट्रोल में होती है और वजन नहीं बढ़ता है म्आप करेले का जूस लेंगे तो इससे आपकी डिटॉक्स होता है, इसलिए आप वेट लॉस कर रहे हैं तो ऐसे में करेले का जूस जरुर पीएं।

स्किन के लिए अच्छा

करेले के जूस में विटामिन ए और सी जैसे शक्तिशाली एंटी-ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। जो आपकी स्किन को अच्छा बनाता है। इसके साथ ही ब्लड सर्कुलेशन में भी सुधार करता है। ये आपकी स्किन की और कई सारी परेशानियों का भी हल निकलता है।

हृदय के लिए

हृदय संबंधी परेशानियों में भी करेला फायदेमंद रहता है। यह हानिकारक वसा को हृदय की धमनियों में जमने नहीं देता जिससे रक्तसंचार सुचारू बना रहता है, और हार्ट अटैक की आशंका कम होती है। करेले की पत्तियों या फल को पानी में उबालकर इसका सेवन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और कई तरह का संक्रमण ठीक हो जाता है। वजन होगा कम करेले में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालते हैं। सुबह के समय करेले के रस में नींबू की कुछ बूंदें मिलाकर पी जाएं तो शरीर डीटॉक्स होता है। इसके अलावा करेला हमारे शरीर के मेटाबोलिज्म को बढ़ा देता है, जिससे पाचन सही रहता है और इन स्थितियों में वजन कम करना आसान हो जाता है।

आपकी सेहत पर बुरा असर डाल सकती है सुबह की खाली पेट चाय की चुस्की

अगर आप भी उन लोगों में शामिल हैं, जिनके लिए चाय एक एनर्जी ड्रिंक का काम करती है या फिर जिनकी सुबह ही एक कप गर्म प्याली चाय के साथ होती है तो यह खबर आपके लिए ही है। जी हां क्या आप जानते हैं खाली पेट सुबह की चाय की गर्म चुस्की आपकी सेहत पर कितना बुरा असर डाल सकती है। आइए जानते हैं।

सुबह खाली पेट चाय पीने से पेट में अम्लीय और क्षारीय पदार्थों के असंतुलन की वजह से चयापचय प्रणाली बाधित हो सकती है। यह शरीर की नियमित चयापचय गतिविधि में हस्तक्षेप करके व्यक्ति को दिन भर परेशान रख सकता है। एक अध्ययन के अनुसार, जब दूध को चाय के साथ मिलाया जाता है, तो दूध में मौजूद वजन घटाने के लिए जिम्मेदार तत्वों का असर कम हो जाता है। इसके अलावा दूध से बनी चाय पेट के एसिड को बढ़ाकर आपके पाचन तंत्र पर भी बुरा असर डाल सकती है। जो कि वजन बढ़ने का एक मुख्य कारण हो सकता है।

अल्सर की समस्या

अक्सर आपने कई लोगों को यह कहते सुना होगा कि उन्हें सुबह उठते ही एकदम स्ट्रॉन्ग और गर्मागरम चाय पीना पसंद है। पर क्या आप जानते हैं सुबह-सुबह खाली पेट गर्म चाय पीने से पेट की अंदरूनी हिस्से पर चोट लग सकती है, जो आगे चलकर पेट के अल्सर का कारण भी बन सकता है।

मोटापे की समस्या

खाली पेट चाय पीने से उसमें घुली हुई चीनी शरीर में प्रवेश करती है, जिससे व्यक्ति का वजन बढ़ने के साथ मोटापा भी बढ़ता है।

हड्डियों के लिए बुरी है चाय

खाली पेट लंबे समय तक रोज कई कप चाय के पीने से स्केलेटल फ्लोरोसिस जैसी बीमारी हो सकती है यह बीमारी हड्डियों को अंदर ही अंदर खोखला बना देती है। जिसकी वजह से कई गंभीर बीमारी भी हो सकती है।

थकान और चिड़चिड़ापन

ऐसा कहा जाता है कि चाय पीने से ताजगी आती है। हालांकि सच तो ये है कि सुबह दूध वाली चाय पीने से काम में थकान और चिड़चिड़ापन हो सकता है।

पाचन क्रिया पर बुरा असर

सुबह उठते ही कई लोग खाली पेट चाय पीने लगते हैं। जिसकी वजह से उनके पेट में गैस बनने के साथ उनकी पाचन क्रिया भी धीमी हो जाती है। खाली पेट चाय पीने से पित्त की प्रक्रिया में भी बाधा आती है। जिसकी वजह से मिचली और बेचैनी महसूस हो सकती है।

तनाव बढ़ने का है कारण

सुबह उठते ही फ्रेश और ऊर्जावान बने रहने के लिए लोग एक कप चाय पीना पसंद करते हैं। नतीजतन, ऐसे व्यक्तियों के शरीर में कैफीन की मात्रा काफी बढ़ जाती है और उन्हें नींद न आने के साथ तनाव और अवसाद जैसी समस्याएं घेर सकती हैं।

ह्रदय रोग का खतरा

खाली पेट चाय पीने से इसमें मौजूद कैफीन तेजी से शरीर में घुलने लगता है। जो व्यक्ति के ब्लड प्रेशर को प्रभावित करके दिल की सेहत पर भी बुरा असर डालता है।

इस तरह से पिएं चाय

अगर आप चाय के शौकीन हैं तो हमेशा न ही ज्यादा गर्म और न ही अधिक ठंडी चाय पीएं। सुबह उठते ही चाय पीने की आदत है तो खाली पेट चाय पीने की जगह उसके साथ बिस्किट या स्नैक्स जरूर लें।

इस्लामिक स्टेट के इस बड़े नेता को पकड़ा, बम बनाने और लड़ाई का प्रबंध करने में है माहिर

बेरूत। अमेरिका के नेतृत्व वाले गठबंधन के सुरक्षा बलों ने बृहस्पतिवार को उत्तरी सीरिया में एक सैन्य अभियान के दौरान इस्लामिक स्टेट के बड़े नेता को पकड़ लिया। गठबंधन ने यह जानकारी दी। गठबंधन ने एक बयान में कहा कि उसके द्वारा पकड़ा गया नेता बम बनाने और लड़ाई का प्रबंध करने में माहिर है। गठबंधन ने उसे इस्लामिक स्टेट की सीरिया शाखा के शीर्ष नेताओं में से एक बताया है। बयान में व्यक्ति की पहचान नहीं बताई गई है और न ही यह बताया गया कि अभियान कहां चलाया गया। बयान में कहा गया है कि अभियान सफल रहा और इस दौरान न कोई नागरिक हताहत हुआ और न ही गठबंधन बलों को कोई नुकसान हुआ।

यमन के अदन शहर में भयंकर विस्फोट, पत्रकार की मौत

सना (यमन)। यमन के अदन शहर में एक पत्रकार की कार में विस्फोट होने से उसकी मौत हो गई। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। घटना के वक्त पत्रकार अपनी कार से अदन शहर की ओर जा रहा था। सूचना मंत्री मुअम्मर अल-इरयानी ने कहा कि मंत्रालय और जापान के एनएचके टीवी नेटवर्क के साथ काम करने वाले साबिर अल-हैदरी की कार में आईईडी लगा हुआ था। बुधवार को इसमें विस्फोट हुआ और पत्रकार की मौत हो गई। सूचना मंत्री ने ट्वीट कर बताया कि हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले सना में वर्ष 2017 में पाबंदियां बढ़ाई जाने के चलते हैदरी ने शहर छोड़ दिया था। किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

कोविड-19 : अमेरिका में पांच साल से कम उम्र के बच्चों के टीकाकरण को मिल सकती है मंजूरी

वाशिंगटन। अमेरिका में पांच साल से कम उम्र के बच्चों के लिए कोविड-19 रोधी टीके उपलब्ध कराने के लिए प्रयास तेज कर दिए गए हैं। खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) के टीका सलाहकारों ने छोटे बच्चों के लिए 'मॉडर्ना' और 'फाइजर' के टीकों को अनुमति दे दी है। विशेषज्ञों ने सर्वसम्मति से मतदान किया कि इन टीकों की खुराक के लाभ पांच साल से कम उम्र के बच्चों के लिए किसी भी जोखिम से अधिक हैं।

देश में इस उम्र वर्ग के करीब 1.8 करोड़ बच्चे हैं। अमेरिका में टीकाकरण के लिए मंजूरी हासिल करने वाला यह अंतिम वर्ग होगा। अगर सभी नियामकीय कदमों को मंजूरी दे दी जाती है, तो इस उम्र वर्ग के लिए खुराक अगले सप्ताह तक उपलब्ध हो सकती है। कैनसस सिटी में बच्चों के एक अस्पताल से जुड़े जे. पोर्टनॉय ने कहा, '' लंबे समय से इस उम्र वर्ग के लिए टीकों का इंतजार है। ऐसे बहुत से माता-पिता हैं, जो ये टीके चाहते हैं और मुझे लगता है कि अगर वे चाहते हैं तो हमें उन्हें टीके लगवाने का विकल्प देना चाहिए।'' 'फाइजर' का कोविड-19 रोधी टीका छह महीने से चार साल तक के बच्चों के लिए है, जबकि 'मॉडर्ना' का टीक छह महीने से पांच साल तक के बच्चों के लिए है।

कैपिटल हिल हिंसा : जांच समिति ने हमले से एक दिन पहले का वीडियो जारी किया

वाशिंगटन। कैपिटल हिल (अमेरिकी संसद परिसर)में पिछले साल छह जनवरी को दंगाइयों के जबरन घुसने के मामले की जांच कर रही समिति ने बुधवार को इस घटना से एक दिन पहले का वीडियो जारी किया। इस वीडियो में एक रिपब्लिकन सांसद को कुछ लोगों को कैपिटल हिल की यात्रा करवाते देखा जा सकता है, जो परिसर में सीढ़ियों और अन्य चीजों की तस्वीरें लेते नजर आ रहे हैं। समिति ने वीडियो जारी करने के बाद रिपब्लिकन नेता बैरी लौडेरमिल्क से इस यात्रा के संबंध में उससे बात करने को कहा है। बैरी अब तक सामने आए अपने बयानों में किसी भी तरह के गलत कृत्य में शामिल होने से इनकार करते रहे हैं। गौरतलब है कि डोनाल्ड ट्रंप ने तीन नवंबर 2020 को हुए राष्ट्रपति चुनाव में हार स्वीकार नहीं की थी और उन्होंने चुनाव में धोखाधड़ी के आरोप लगाए थे। ट्रंप के इन आरोपों के बीच उनके समर्थकों ने छह जनवरी को संसद भवन परिसर में कथित तौर पर हिंसा की थी।

पाकिस्तान में मिलिट्री बेस बनाना चाहता है चीन, इस्लामाबाद ने मना कर दिया?

लाहौर । चीन ने पाकिस्तान सरकार से सुरक्षा कंपनी बनाने की अपील की थी, इस शहबाज सरकार ने नकार दिया है। रिपोर्ट मुताबिक पाकिस्तान सरकार ने बीजिंग से साफ कह दिया है कि पाकिस्तान में किसी दूसरे देश को सुरक्षा कंपनी खोलने की इजाजत नहीं दे सकती है। चीनी रक्षा मंत्रालय ने सुरक्षा कंपनी खोलने की अपील पाकिस्तान सरकार से की थी। पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद के चीन दौरे पर चीन ने बलोचिस्तान में सैन्य चौकियों की मांग की है। चीनी अधिकारियों ने चीन-पाकिस्तान इकॉनमिक कॉरिडोर और पाकिस्तान में उनके कर्मचारियों की सुरक्षा के को लेकर आपत्ति जाहिर की है। चीन बलोचिस्तान में विशेष रूप से ग्वादर में सैन्य चौकी चाहता है।

चीन और पाकिस्तान की दोस्ती बढ़ती जा रही है, लेकिन पिछले कुछ सालों में पाकिस्तान में चीनी नागरिकों पर हमले भी बढ़े हैं। इसके साथ ही चीन पाकिस्तान इकॉनमिक कॉरिडोर के तहत बन रहे प्रोजेक्ट्स को भी निशाना बनाया जा रहा है। अफगानिस्तान में तालिबान के आने के बाद चीन शिनजियांग क्षेत्र को लेकर अलर्ट है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि यही कुछ प्रमुख कारण हैं कि चीन पाकिस्तान में सुरक्षा की गारंटी चाहता है जो कि अब तक पाक सरकार देने में नाकाम रही है। बलोच विद्रोही चीन से जुड़े प्रोजेक्ट्स और और चीनी कर्मियों पर हमला करते रहे हैं क्योंकि वह चीन को एक साम्राज्यवादी शक्ति मानते हैं, जो पाकिस्तान सरकार के साथ-साथ बलोचिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों को छीन रहा है। एक्सपर्ट्स का यह भी मानना है कि चीन और अमेरिका पाकिस्तान में मिलिट्री बेस बनाना चाहते हैं और पाकिस्तान मौजूदा वक्त में ऐसा कुछ नहीं चाहता है।

अफगान समाज में महिलाओं से भेदभाव और अन्याय को लेकर भारत ने चिंता जताई

जिनेवा। भारत ने अपने पड़ोसी देश अफगानिस्तान को लेकर कहा यहां महिलाओं के दोयम दर्जे का व्यवहार होता है, उसने भेदभावपूर्ण निम्न दर्जे पर बुधवार को चिंता व्यक्त की, जिससे युद्धग्रस्त देश में लड़कियों की शिक्षा पर प्रतिकूल असर पड़ता है।

भारत ने सुरक्षा परिषद से आतंकवाद के परिणाम स्वरूप महिलाओं के अधिकारों पर पड़ने वाले असर पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की महिलाओं और शांति एवं सुरक्षा पर खुली चर्चा में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टी एस तिरुमूर्ति ने कहा कि भेदभावपूर्ण सामाजिक और राजनीतिक संरचनाओं ने महिलाओं के खिलाफ हिंसा को व्यस्थित तरीके से गंभीर बना दिया है, जिससे सशस्त्र संघर्ष की स्थितियों में महिलाएं आसान शिकार बन जाती हैं। तिरुमूर्ति ने भारत के उस गहरे विश्वास को रेखांकित किया जिसके तहत शांति के लिए राजनीतिक प्रक्रियाओं में महिलाओं की भागीदारी और समावेश के लिए एक अनुकूल वातावरण अपरिहार्य है। तिरुमूर्ति ने कहा, ''ऐसे माहौल को बढ़ावा देने के लिए लोकतांत्रिक राजनीति, बहुलवाद और कानून का राज आवश्यक पूर्व शर्त हैं। हमारे क्षेत्र में स्थिरता के लिए हम अफगानिस्तान में समावेशी और प्रतिनिधित्व शासन की महत्ता पर जोर दे रहे हैं, जिसमें महिलाओं की सार्थक भागीदारी हो।'' भारतीय राजदूत ने कहा, ''हम खासतौर से अफगान समाज में महिलाओं को दिए जा रहे भेदभावपूर्ण निम्न दर्जे को लेकर चिंतित हैं, जिससे अफगान लड़कियों की शिक्षा पर प्रतिकूल असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद और हिंसक चरमपंथ मानवाधिकारों का सबसे बड़ा उल्लंघनकर्ता बना हुआ है और यह वैश्विक शांति एवं सुरक्षा के लिए निरंतर खतरा बना हुआ है। उन्होंने अफसोस जताया कि चरमपंथी समूह और आतंकी ने महिलाओं को नुकसान पहुंचाने के लिए इंटरनेट और सोशल मीडिया नेटवर्क का अधिक इस्तेमाल कर रहे हैं। तिरुमूर्ति ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में सक्रिय महिलाओं को धमकी दी जा रही है और उनकी आवाज दबाने के साथ भेदभावपूर्ण विचारों और हिंसक कट्टरता को बढ़ावा दिया गया है।

राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने यूक्रेन संकट के समाधान में 'महत्वपूर्ण भूमिका' निभाने की इच्छा जताई

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने बुधवार को यूक्रेन संकट के समाधान में ' रचनात्मक भूमिका'' निभाने की इच्छा जताई।

चीन के सरकारी टेलीविजन ने यह जानकारी दी। सरकारी टेलीविजन की रिपोर्ट के मुताबिक, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ टेलीफोन पर हुई बातचीत के दौरान शी ने कहा, ''यूक्रेन में संकट के सही समाधान को प्रोत्साहन देने के वास्ते संबंधित सभी पक्षों को एक जिम्मेदार रुख अपनाना चाहिए।''

चीनी राष्ट्रपति ने कहा, ''चीन अपनी रचनात्मक भूमिका निभाना जारी रखने के लिए तैयार है।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चीन ''तथ्यों और ऐतिहासिक वास्तविकताओं'' को ध्यान में रखते हुए यूक्रेन संकट को लेकर एक स्वतंत्र रुख रखता है।

चिनफिंग ने कहा, ''हम वैश्विक स्तर पर शांति बनाए रखने में सक्रिय रूप से योगदान देते हैं। इसी तरह, हम दुनिया में एक स्थिर आर्थिक व्यवस्था बनाए रखने में योगदान देते हैं।

ब्रासीलिया में राष्ट्रपति जेयर बोलसेनरों के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए लोग। ये लोग पत्रकार डोम फिलिप सहित तीन लोगों के लापता होने का विरोध कर रहे हैं।

बाइडन ने भारतीय अमेरिकी राधा अयंगर को पेंटागन के शीर्ष पद के लिए नामित किया

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारतीय-अमेरिकी राधा अयंगर प्लंब को पेंटागन के एक शीर्ष पद के लिए नामित किया है। प्लंब अभी रक्षा उपमंत्री की चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में सेवाएं दे रही हैं। प्लंब को बुधवार को 'डिफेंस फॉर ऐक्विजिशन एंड सस्टेनमेंट' के उप अवर सचिव के पद के लिए नामित किया गया।

चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले, प्लंब गूगल में विश्वास एवं सुरक्षा के लिए अनुसंधान एवं अंतर्दृष्टि की निदेशक थीं और व्यापार विश्लेषण, डेटा विज्ञान तथा तकनीकी अनुसंधान संबंधित टीम का नेतृत्व करती थीं। वह फेसबुक में ग्लोबल हेड ऑफ पॉलिसी एनालिसिस के रूप में भी सेवाएं दे चुकी हैं, जहां उन्होंने उच्च जोखिम/उच्च नुकसान, गंभीर एवं महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मुद्दों से जुड़ी समस्याओं से निपटने के लिए काम किया। उन्होंने रक्षा मंत्रालय, ऊर्जा मंत्रालय और व्हाइट हाउस राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर कई वरिष्ठ पदों पर भी अपनी सेवाएं दी हैं।

पाकिस्तान में पेट्रोल के दामों में लगी आग, एक दिन में 24 रुपये की बढ़ोतरी

-233 रुपये में मिल रहा 1 लीटर पेट्रोल

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

आर्थिक रूप से कंगाल हो चुके पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमतो में आग लगी हुई है यहां एक लीटर पेट्रोल की कीमत 233.89 रुपये पहुंच गई है। यहां एक दिन में प्रति लीटर पेट्रोल पर 24 रुपये बढ़ाए गए हैं। वहीं, डीजल की कीमत में 16.31 रुपए की बढ़ोतरी के बाद 263.31 रुपये प्रति लीटर हो जाएगी। पाकिस्तान सरकार ने बुधवार को इसका ऐलान किया। पाकिस्तान में पिछले 20 दिनों के भीतर इस तरह की तीसरी बढ़ोतरी है। पाकिस्तान के वित्त मंत्री ने इस्लामाबाद में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि नई कीमतें 15 जून आधी रात से लागू हो गए हैं। इस बीच, मिट्टी के तेल की नई कीमत 29.49 रुपये की वृद्धि के बाद 211.43 रुपये होगी। लाइट डीजल की कीमत 29.16 रुपये की वृद्धि के बाद 207.47 रुपये होगी। वित्त मंत्री इस्माइल ने कहा कि सरकार के पास अंतरराष्ट्रीय कीमतों का असर पाकिस्तान में उपभोक्ताओं पर डालने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। पाकिस्तान सरकार ने पिछले 20 दिनों में पेट्रोल की कीमत में 84 रुपये प्रति लीटर से अधिक की वृद्धि की है। पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में एक और बढ़ोतरी के कारणों के बारे में बताते हुए मंत्री ने कहा कि पेट्रोल की अंतरराष्ट्रीय कीमत 120 डॉलर प्रति लीटर थी।

उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस में कहा, हमारा देश अभी भी पेट्रोल में 24.03 रुपये, डीजल में 59.16 रुपये, मिट्टी के तेल में 29.49 रुपये और लाइट डीजल तेल में 29.16 रुपये का नुकसान झेल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार पेट्रोल सब्सिडी पर 120 अरब रुपये खर्च कर रही है। मंत्री ने कहा, मैं 30 साल से देश के हालात देख रहा हूं, लेकिन महंगाई के लिहाज से ऐसी स्थिति मैंने कभी नहीं देखी। खराब आर्थिक हालातों से गुजर रहे पाकिस्तान में खाने-पीने की चीजों के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं। इसी बीच, पाकिस्तान ने अब अपने नागरिकों से चाय का इस्तेमाल कम से कम करने की गुजारिश की है। पाकिस्तान के योजना और विकास मंत्री अहसान इकबाल ने वहां की अवाम से कहा है कि वो चाय कम से कम पिएं। बता दें कि पाकिस्तान में दाल, चीनी, सब्जियों और फलों के दाम आसमान छू रहे हैं। जिसके चलते आम जनता की हालत खस्ता होती जा रही है।

पाकिस्तान के मंत्री अहसान इकबाल के मुताबिक, हमें चाय बाहर से आयात करनी पड़ती है। अगर पाकिस्तान की जनता चाय की खपत कम करेगी तो इससे सरकार का आयात खर्च घटाने में मदद मिलेगी। अभी हम कर्ज लेकर बाहर से चाय का आयात करते हैं। चाय की खपत घटने से हमारा आयात खर्च कम होगा, जिससे आर्थिक ढांचे पर दबाव घटेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान की सरकार ने हाल ही में अपना आयात खर्च घटाने के लिए 41 चीजों के आयात पर 2 महीने के लिए रोक लगा दी थी। हालांकि इस आयात प्रतिबंध से खजाने में ज्यादा बढ़ोतरी नहीं हुई। इससे पाकिस्तान को अपना आयात बिल घटाने में करीब 60 करोड़ डॉलर का फायदा हुआ है।

योग भारत की ओर पूरी दुनिया के लिए एक अमूल्य उपहार : मॉरीशस के राष्ट्रपति

सहारनपुर (उप्र) (एजेंसी)।

मॉरीशस के राष्ट्रपति पृथ्वीराजसिन रूपुन ने बुधवार को योग को भारत की ओर से पूरी दुनिया के लिए एक अमूल्य उपहार बताया। सहारनपुर जिले मे स्थित मोक्षायतन योग संस्थान द्वारा आयोजित तीन दिवसीय वैश्विक योग सम्मेलन का डिजिटल माध्यम से उद्घाटन करते हुए मॉरीशस के राष्ट्रपति रूपुन ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया जाना भारत की 'वसुधैव कुटुम्बकम' की सोच का ही परिणाम है। भारत और मॉरीशस के संबंधों पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और इसकी संस्कृति जिसका अध्यात्म और योग अनिवार्य हिस्सा है, उसका मॉरीशस से पुराना नाता है। राष्ट्रपति रूपन ने इस वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिये गये योगदिवस थीम योग फॉर ह्यूमैनिटी (मानवता के लिए योग) का जिक्र करते हुए कहा कि योग हमारी प्राचीन परम्परा की ओर से दुनिया को भेंट है। उन्होने कहा कि 1950 में भारत के स्वामी शिवानंदने मॉरीशस के लोगों को योग से परिचित कराया था। राष्ट्रपति ने कहा कि पूर्व में मॉरीशस के कला एवं संस्कृति मंत्री के रूप में वे योग दिवस कार्यक्रम से निकट से जुड़े रहे हैं। उन्होंने कहा,'लेकिन राष्ट्रपति के रूप में भी मैं यूनेस्को के विश्व विरासत केंद्र का रूप ले चुके अप्रवासी घाट (जो कि तीर्थ और मॉरीशस की पहचान बन चुका है) पर आयोजित योग दिवस पर सपत्नीक हिस्सा लूंगा। राष्ट्रपति ने भारत सरकार और मॉरीशस विश्वविद्यालय के आयुष विभाग द्वारा मॉरीशस के राष्ट्रपति भवन में आयुर्वेदिक उद्यानबनाये जाने की जानकारी दी। राष्ट्रपति के उद्घाटन भाषण से पूर्व संस्थान की निदेशक आचार्य प्रतिष्ठा ने सम्मेलन की भूमिका पर प्रकाश डाला। मोक्षायतन योग संस्थान के संस्थापक योग गुरु व पद्मश्री से सम्मानित भारत भूषण ने मॉरीशस के राष्ट्रपति रूपुन और उद्घाटन सत्र में उपस्थित सभी हस्तियों के साथ-साथ इसमें भाग लेने वाले 15 से अधिक देशों के योग विशेषज्ञों और आगामी दो दिन के लिये दुनिया के अलग-अलग देशो से सम्मेलन में जुड़ने वाले योग प्रेमियों को शुभकामनाएं दी।

अमेरिकी दबाव में नहीं झुका नेपाल एसपीपी पर हस्ताक्षर नहीं करने वाले पीएम देउबा

भारत के लिए एक बड़ा झटका

काठमांडू (एजेंसी)।

नेपाली प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने ऐलान किया है, कि वे अमेरिका के साथ स्टेट पार्टनरशिप प्रोग्राम (एसपीपी) पर हस्ताक्षर नहीं करने वाले हैं। देउबा ने सत्तारूढ़ गठबंधन के शीर्ष नेताओं को आश्वासन दिया है कि एसपीपी प्रोग्राम पर नेपाल कभी भी अमेरिका का साथ नहीं देगा। यह समझौता नेपाली सेना और अमेरिका के नेशनल गार्ड के बीच होना था। अमेरिका इस प्रोग्राम पर साइन करने के लिए नेपाल पर दबाव बना रहा था, हालांकि पीएम देउबा के इनकार के बाद यह डील लगभग खत्म हो गई है। इससे पहले मिलेनियम चैलेंज कॉर्पोरेशन को लेकर भी अमेरिका और नेपाल के बीच खींचतान देखने को मिली थी। हालांकि, नेपाल के अमेरिका से दूर जाने से भारत की मुश्किलें बढ़ेगी हैं, क्योंकि इससे चीन को पांव जमानें का मौका मिल जाएगा।

देऊबा ने सत्तारूढ़ गठबंधन के सहयोगी माओवादी सेंटर के अध्यक्ष पुष्प कमल दहल प्रचंड और यूनिफाइड सोशलिस्ट पार्टी के अध्यक्ष माधव नेपाल के साथ बैठक के दौरान एसपीपी प्रोग्राम पर नेपाल सरकार का रुख स्पष्ट किया। बता दें कि प्रचंड और माधव ने पीएम देउबा से किसी भी कीमत पर एसपीपी पर हस्ताक्षर नहीं करने का आग्रह किया था। पीएम देउबा जुलाई महीने में अमेरिका की यात्रा करने वाले हैं। अमेरिका चाहता था कि इसी दौरान एसपीपी प्रोग्राम पर हस्ताक्षर कर दिए जाएं। लेकिन, देश के राजनीतिक हालात और सहयोगी पार्टियों के विरोध को देखकर देउबा ने अपने कदम पीछे खींच लिए हैं। इसके बाद नेपाल और अमेरिका के बीच तनाव और बढ़ने के आसार जताए जा रहे हैं। नेपाल की राजनीतिक पार्टियों का मानना है कि इस प्रोग्राम पर साइन करने से देश की संप्रभुता पर खतरा आ सकता है।

अमेरिका संक्रामक रोगों के खतरों से निपटने के लिए भारत को 12.2 करोड़ डॉलर देगा

वाशिंगटन (एजेंसी)।

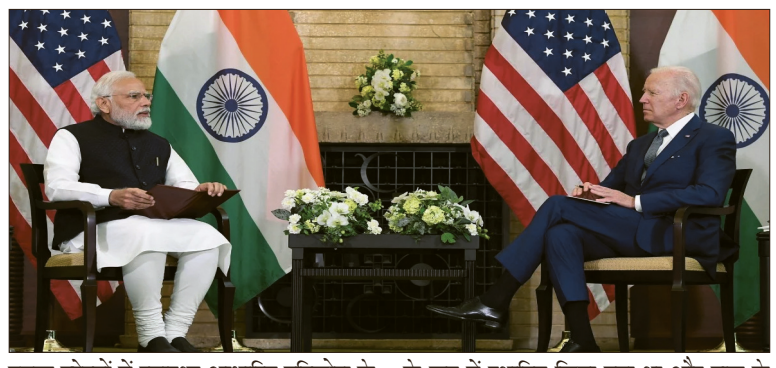

अमेरिका ने भारत के तीन शीर्ष चिकित्सा अनुसंधान संस्थानों को महामारियों को रोकने, बीमारी के खतरों का जल्द पता लगाने और तेजी के साथ प्रभावी कदम उठाने के लिए करीब 12.2 करोड़ डॉलर की वित्तीय मदद देने की घोषणा की है।

अमेरिका 12,24,75,000 डॉलर की कुल धनराशि, तीन शीर्ष भारतीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थानों- भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी) और राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान (एनआईआई) को पांच साल की अवधि में दी जाएगी। रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) ने बुधवार को इसकी घोषणा करते हुए कहा कि कोष एक ऐसा भारत बनाने में मदद करेगा, जो संक्रामक रोगों के खतरों के लिहाज से सुरक्षित होगा। सीडीसी के मुताबिक इस मदद से आईसीएमआर संस्थानों को उभरते और फिर से उभरते रोगजनकों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि इसके प्रमुख उद्देश्यों में स्वास्थ्य आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से 'जूनोटिक' रोग के प्रकोप का पता लगाना तथा उसे नियंत्रित करना, टीका सुरक्षा निगरानी प्रणाली का मूल्यांकन करना, महामारी में जन स्वास्थ्य कार्यबल की क्षमता बढ़ाना तथा उससे निपटना आदि शामिल है। 'जूनोटिक' रोग, ऐसे रोग होते हैं, जो पशुओं के माध्यम से मनुष्य में फैलते हैं। सीडीसी ने कहा कि आईसीएमआर इस कार्य को करने के लिए एक बेहतरीन स्थिति में है, क्योंकि इसे मूल रूप से भारत में जैव चिकित्सा अनुसंधान के निर्माण, समन्वय एवं प्रचार के लिए एक शीर्ष निकाय के रूप में स्थापित किया गया था और हाल के वर्षों में इसने संक्रामक रोगों की प्रयोगशाला-आधारित निगरानी भी की है। इस कोष को 30 सितंबर 2022 से जारी किया जाएगा, जिसके लिए केवल आईसीएमआर और उसके संस्थान पात्र हैं, जिसमें पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी) और चेन्नई स्थित राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान (एनआईआई) शामिल है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) भारत में राष्ट्रीय स्तर के चिकित्सा अनुसंधान संस्थानों का शीर्ष निकाय है।

चांद पर हुई पानी को खोज! तो क्या अब वहां बस सकती है मानव-बस्ती, खरीदी जाएगी जमीन?

नई दिल्ली (एजेंसी)।

क्या चांद पर पानी है? इस सवाल का जवाब कुछ सालों पहले भारत ने तलाश लिया था। भारत के चंद्रयान 1 से प्राप्त जानकारी में यह पता चल गया था कि चांद पर पानी है और वहां पर मानव जीवन बसने की संभावना भी इसके साथ बढ़ने लगी हैं। पानी की तलाश तो पहले की जा चुकी थी लेकिन अब चीन ने भी दावा किया है कि उसके लैंडर चांग'ई -5 द्वारा एकत्र जानकारी के अनुसार पानी चांद पर किस रूप में है यह पता लगा लिया गया है। अमेरिका और भारत के बाद अब चीन ने भी चांद पर पानी के बारे में नयी रिपोर्ट पेश की है। चीन के लूनर लैंडर चांगई-5 के अनुसार चांद पर पानी अंधेरे वाले हिस्से गड्ढों में जमी बर्फ में मौजूद है। इसके अलवा पानी बर्फ के रूप में हैं। जिस तरह धरती पर पानी का बहाव है चांद पर पानी का बहाव नहीं है वहां पानी जमे हुए रूप में मिला है।

नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित 'चांग'ई -5 इन-सीटू स्पेक्ट्रा से चंद्र सतह पर पानी के साक्ष्य और लौटाए गए नमूने पर एक आर्टिकल छपा है जिसके अनुसार 'दुनिया में पहली बार, चंद्र रिटर्न नमूनों के प्रयोगशाला विश्लेषण के परिणाम और इन-सीटू चंद्र सतह सर्वेक्षण से वर्णक्रमीय डेटा का संयुक्त रूप से चंद्र नमूनों में 'पानी' की उपस्थिति, रूप और मात्रा की जांच के लिए उपयोग किया गया था। परिणाम सटीक रूप से चांग'ई -5 लैंडिंग ज़ोन में वितरण विशेषताओं और पानी के स्रोत के सवाल का जवाब देते हैं और रिमोट सेंसिंग सर्वेक्षण डेटा में पानी के संकेतों की व्याख्या और अनुमान के लिए एक जमीनी सच्चाई प्रदान करते हैं।

लैंडर को चंद्रमा पर नदियां या झीलें नहीं मिलीं, बल्कि इसने चंद्रमा की सतह पर एकत्रित चट्टानों और मिट्टी में औसतन प्रति मिलियन 30 हाइड्रॉक्सिल भागों की पहचान की। ये अणु पानी के मुख्य घटक हैं और एक ऑक्सीजन और एक हाइड्रोजन परमाणु से बने होते हैं। वे अन्य पदार्थों के साथ रासायनिक रूप से प्रतिक्रिया करने वाले पानी के अणुओं का सबसे आम परिणाम भी हैं।

चांग'ई -5 ने चंद्रमा के दिन के सबसे गर्म हिस्से के दौरान नमूने एकत्र किए, जहां तापमान लगभग

90 डिग्री सेल्सियस था, इस समय सतह सबसे शुष्क होनी चाहिए थी। यह समय कम सौर हवाओं के साथ भी मेल खाता है, जो पर्याप्त उच्च तीव्रता पर जलयोजन में योगदान कर सकता है। ऐसी निर्जलित स्थितियों में भी जलयोजन संकेत दिखाई देते हैं। तो स्वाभाविक सवाल यह है कि वे कहाँ से आए हैं?

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नहीं थम रही कोरोना की रफ्तार, अब इस राज्य में 3,000 के पार हुए केस

तिरुवनंतपुरम। केरल में कोविड-19 के 3,419 नए मामले सामने आने से संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 65,89,307 हो गयी है और उपचाराधीन मामलों की संख्या 18,345 पर पहुंच गयी है। केरल सरकार की ओर से जारी आंकड़े के अनुसार, मंगलवार को कोरोना वायरस के 3,488 मरीज मिले, जो राज्य में पिछले दो-तीन महीनों में सबसे अधिक संख्या है। बुधवार को आठ और मरीजों की मौत होने से राज्य में 15 जून तक संक्रमण से जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 69,853 हो गयी। केरल में कोविड-19 के मामलों में वृद्धि के मद्देनजर स्वास्थ्य विभाग ने घोषणा की कि बृहस्पतिवार से छह दिन तक चलने वाला विशेष टीकाकरण अभियान शुरू किया जाएगा, जिसके तहत जरूरतमंदों को एहतियाती खुराक दी जाएगी। विभाग ने एक विज्ञप्ति में कहा कि 60 साल से अधिक आयु, बुढ़ापे या बीमारी के कारण बिस्तर पर पड़े व्यक्तियों या वृद्धाश्रमों में रह रहे लोगों को घर पर ही एहतियाती खुराक देने के निर्देश दिए गए हैं। इसमें कहा गया है कि राज्य में कोविड के मामलों में धीरे धीरे वृद्धि को देखते हुए हर किसी को मास्क पहनने की आवश्यकता है। विभाग ने बताया कि संक्रमण के नए मामले ओमीक्रोन स्वरूप के है जो बहुत तेजी से फैलता है और अत- हर किसी को संक्रमित होने से बचने के लिए कोविड दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने की आवश्यकता है।

अमरनाथ यात्रा के लिए अब होगी हेलिकॉप्टर की सुविधा, एक दिन में यात्रा करके लौट आएंगे घर वापस

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने अमरनाथ यात्रा के लिए बृहस्पतिवार को ऑनलाइन हेलीकॉप्टर बुकिंग पोर्टल की शुरुआत की। यह वार्षिक तीर्थयात्रा 30 जून से शुरू होनी है। उपराज्यपाल सिन्हा ने पोर्टल शुरू करने के बाद ट्वीट किया, ''श्री अमरनाथ जी यात्रा के लिए ऑनलाइन हेलीकॉप्टर बुकिंग सेवा पोर्टल शुरू किया गया है। पहली बार श्रद्धालु सीधे श्रीनगर से पंचतरणी तक आसानी से पहुंच सकते हैं और एक दिन में ही पवित्र यात्रा पूरी कर सकते हैं।'' सिन्हा ने कहा कि सरकार लंबे समय से श्रीनगर से श्रद्धालुओं के लिए हेलीकॉप्टर सेवा शुरू करने की कोशिश कर रही थी। उन्होंने कहा, ''बेहतर संपर्क तथा सुगमता के लिए श्रीनगर से हेलीकॉप्टर सेवाएं शुरू करने की सरकार की यह लंबे समय से की जा रही कवायद थी। श्रद्धालु बुकिंग के लिए आसानी से श्राइन बोर्ड की वेबसाइट पर लॉगइन कर सकते हैं।'' वार्षिक तीर्थयात्रा 30 जून से शुरू होनी है और 11 अगस्त को रक्षा बंधन के दिन समाप्त होगी। इस साल तीर्थयात्रा के लिए 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है।

महाराष्ट्र में एटीएम से निकली पांच गुना अधिक नकदी, लोगों में पैसे निकालने की होड़

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर जिले में एक व्यक्ति उस समय सुखद आश्चर्य में पड़ गया जब उसने एक एटीएम से 500 रुपये निकालने की कोशिश की, लेकिन इसके बदले उसे मशीन से 500 रुपये मूल्य के पांच नोट मिल गये। इस बात के फैलते ही लोगों के बीच एटीएम से पैसे निकालने की होड़ लग गई। व्यक्ति ने इस प्रक्रिया को दोहराया और 500 रुपये निकालने की कोशिश करते हुए फिर से 2,500 रुपये प्राप्त किए। यह किस्सा बुधवार को नागपुर शहर से लगभग 30 किलोमीटर दूर खापरखेड़ा शहर के एक निजी बैंक के एटीएम में हुआ। खबर पूरे शहर में आग की तरह फैल गयी और एटीएम केंद्र के बाहर नकदी निकालने के लिए भारी भीड़ जमा हो गई। खापरखेड़ा पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया, एक बैंक ग्राहक ने स्थानीय पुलिस को सूचित किया और मौके पर पहुंची पुलिस ने एटीएम केंद्र को बंद कर दिया और बैंक को इस बारे में सूचना दी। उन्होंने कहा कि तकनीकी खराबी के कारण एटीएम से अतिरिक्त नकदी निकल रही थी। अधिकारी ने बताया कि 500 रुपये के नोटों को गलती से एटीएम के 100 रुपये वाले ट्रे में रख दिया गया था। उन्होंने बताया कि इस संबंध में अब तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है।

कश्मीर में ईंधन कमी की अफवाहों के बीच पेट्रोल पंप पर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें, हाथापाई

श्रीनगर। देश में ईंधन की कमी की अफवाह के चलते बृहस्पतिवार को कश्मीर में ईंधन केंद्रों (पेट्रोल पंप) पर वाहनों में तेल भरवाने के लिए लंबी-लंबी कतार देखी गईं। लोगों ने अपने वाहनों में ईंधन भरवाने के लिए हाथापाई तक शुरू कर दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि लगभग हर पेट्रोल पंप पर बड़ी संख्या में वाहन कतारों में खड़े हो कर अपनी-अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे, जिससे शहर के कुछ हिस्सों और घाटी में कई जगहों पर यातायात की समस्या उत्पन्न हो गयी। पुलिस और यातायात पुलिस अधिकारियों को कुछ ईंधन केंद्रों पर वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करते देखा गया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि कुछ मामूली विवाद थे और मुद्दों को आराम से सुलझा लिया गया। सोशल मीडिया पर शुरू हुई एक अफवाह की देश ईंधन की कमी का सामना कर रहा है इसके बाद ही ईंधन केंद्रों के बाहर वाहनों की लंबी कतारें लग गयीं। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के एक वरिष्ठ विपणन अधिकारी ने लोगों के भय को दूर करने के लिए ट्वीट तक किया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। आईओसीएल के विपणन निदेशक ने ट्वीट किया, प्रिय सम्मानित ग्राहकों हम दोहराते हैं कि देश में उत्पाद की पर्याप्त उपलब्धता है। खुदरा दुकानों को आपूर्ति मांग के अनुसार पूरी की जा रही है। हमारा अनुरोध है कि घबराने की आवश्यकता नहीं है। हम बिना किसी रुकावट के हर समय आपकी सेवा करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।

सिखों पर दिए बयान पर घिरीं किरण बेदी माफी स्वीकार नहीं

नई दिल्ली । देश की पहली महिला आईपीएस अफसर और पुदुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल किरण बेदी इन दिनों अपने एक बयान को लेकर विवादों में हैं। सोमवार को चेन्नई में एक पुस्तक के विमोचन के दौरान किरण बेदी ने '12 बजे' वाला एक जोक सिखों को लेकर बोला था। इसके बाद उनकी आलोचना होने लगी। इसी कड़ी में अब उनकी टिप्पणी की शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने निंदा की है। साथ ही उनके खिलाफ कोर्ट जाने की तैयारी भी कर रही है। दरअसल, किरण बेदी को सिख इतिहास पढ़ने की सलाह देते हुए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रमुख हरजिंदर सिंह धामी ने बुधवार को कहा कि सिखों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए एसजीपीसी उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि किरण बेदी को सिख इतिहास पढ़ना चाहिए कि कैसे सिखों ने अब्दाली के शासन के समय 12 बजे आक्रमणकारियों को रोका। उनकी इस टिप्पणी वाला वीडियो तेजी से वायरल हो गया। पंजाब की सत्ताधारी आम आदमी पार्टी ने भी इस मुद्दे को हाथोंहाथ लपक लिया और किरण बेदी पर हमला बोला। आप ने कहा कि किरण बेदी की यह टिप्पणी सिखों का मजाक उड़ाने जैसा है और यह शर्मिंदा करने वाली बात है। हालांकि विवाद को बढ़ता देख किरण बेदी ने माफी मांग ली। उन्होंने कहा कि मैं सिख समुदाय का बहुत सम्मान करती हूं। मैं गुरु नानक देव जी की भक्त हूं। मैंने जो कुछ भी कहा था, उसे गलत तरीके से न समझा जाए। मैं माफी मांगती हूं। मैं सेवा और दयालुता में यकीन रखती हूं। कृपया मेरी मंशा पर किसी भी तरह का संदेह न रखें। बता दें कि किरण बेदी दिल्ली का विधानसभा चुनाव भी लड़ चुकी हैं और भाजपा ने उन्हें सीएम कैंडिडेट बनाया था।

दिल्ली में भीषण गर्मी में बिजली की मांग में काफी इजाफा

नई दिल्ली । दिल्ली में बढ़ते तापमान की वजह से हो रही भीषण गर्मी से अब बिजली की खपत भी बढ़ रही है। राजधानी दिल्ली में इस सीजन की रिकॉर्ड 7334 मेगावाट बिजली की मांग दर्ज की गई है। दिल्ली में बिजली की अधिकतम मांग ने इस साल जून के महीनों में छह बार 7,000 मेगावाट का आंकड़ा पार किया है। 9 जून से पहले दिल्ली की सबसे अधिक बिजली की मांग जून के महीने में कभी भी 7,000 मेगावाट से अधिक नहीं हुई थी। इस साल 19 मई को 7,070 मेगावाट की बिजली मांग दर्ज की गई थी। इससे पहले साल 2019 और 2020 में जून के महीने में सबसे अधिक बिजली की मांग 6,314 मेगावाट और 6,769 मेगावाट दर्ज की गई। जो कि एक ही तारीख 29 जून को हुई थी। दिल्ली में बढ़ी बिजली की मांग ने पिछले साल का भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है। पिछले साल 2021 में दो जुलाई को अधिकतम मांग 7323 मेगावाट दर्ज हुई थी। अबतक बिजली का सबसे अधिक मांग दो जुलाई 2019 को 7409 मेगावाट दर्ज हुई थी। हालांकि अधिकारियों के अनुसार दिल्ली में जल्द ही 2 जुलाई, 2019 को दर्ज की गई 7,409 मेगावाट की बिजली की अधिकतम मांग का रिकॉर्ड भी टूट सकता है। इस गर्मी के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी में 8,200 मेगावाट तक बिजली की मांग जा सकती है। क्योंकि दिल्ली में बिजली की मांग महीने के हर दिन 6,000 मेगावाट का आंकड़ा पार कर गई है। राजधानी में बढ़ती बिजली की मांग को लेकर एक अधिकारी ने कहा दिल्ली के बिजली लोड के पीछे कूलिंग लोड मुख्य वजह है। गर्मियों में दिल्ली की लगभग 50त्न बिजली की मांग एयर-कंडीशनर, कूलर और पंखे की वजह से होती है। वहीं बिजली की मांग बढ़ने के साथ दिल्ली के कई इलाकों से बिजली कटौती की शिकायतें बढ़ गई है, दिल्ली के छतरपुर, जनकपुरी, कृष्णा नगर, गांधी नगर, सीलमपुर, उत्तर नगर जैसे इलाकों में बिजली की काफी कटौती हो रही है।

यूपी में बुलडोजर वाले एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट ने मांगा सरकार से हलफनामा, कहा- कानून के हिसाब से हो कार्रवाई

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में हाल में ही हुए हिंसा की घटनाओं के बाद बुलडोजर की कार्रवाई देखने को मिली। हिंसा में शामिल उपद्रवियों के अवैध निर्माण पर जबरदस्त तरीके से उत्तर प्रदेश में बुलडोजर चलाया गया था। हालांकि, यह मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंच चुका है। सुप्रीम कोर्ट में इस पर सुनवाई करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार से हलफनामा मांगा है। उत्तर प्रदेश सरकार को हलफनामा दाखिल करने के लिए 3 दिनों का वक्त मिला है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ तौर पर कहा कि हम यह नहीं कह रहे है कि हर कार्रवाई रोकी जाए लेकिन कानून के हिसाब से कार्रवाई होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट का मानना ??है कि वह विध्वंस पर रोक नहीं लगा सकता है लेकिन कथित अनधिकृत संरचनाओं के विध्वंस के लिए कानून की प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए।

आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में मुस्लिम संगठन जमीयत उलमा-ए-हिंद द्वारा याचिका डाली गई थी जिसमें उत्तर प्रदेश में हालिया हिंसा के आरोपियों की सम्पत्तियों पर की जा रही अतिक्रमण-रोधी कार्रवाई रोकने का राज्य सरकार को निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। मुस्लिम संगठन ने अपनी याचिका में कहा है कि उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना संपत्तियों को ढहाया नहीं जाना चाहिए और इस तरह की कवायद पर्याप्त नोटिस के बाद ही की जाती है। पत्र याचिका पर शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी, न्यायमूर्ति वी गोपाल गौड़ा और न्यायमूर्ति ए के गांगुली, दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एपी शाह, मद्रास उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश के चंद्रू और कर्नाटक उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश मोहम्मद अनवर ने हस्ताक्षर किए हैं। पत्र याचिका पर हस्ताक्षर करने वाले वरिष्ठ वकीलों में शांति भूषण, इंदिरा जयसिंह, सीयू सिंह, श्रीराम पंचू, प्रशांत भूषण और आनंद ग्रोवर शामिल हैं।

याचिका में कहा गया है कि प्रदर्शनकारियों का पक्ष सुनने के बजाय, उत्तर प्रदेश प्रशासन ने ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ हिंसक कार्रवाई करने की मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री ने कथित तौर पर अधिकारियों से दोषियों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई करने का आह्वान किया है कि यह एक मिसाल बने और भविष्य में कोई भी अपराध न करे या कानून अपने हाथ में न

ले।'' जमीयत उलमा-ए-हिंद संगठन ने पहले राष्ट्रीय राजधानी के जहांगीरपुरी इलाके में इमारतों को गिराने के मुद्दे पर याचिका दायर की थी। लंबित याचिका की ताजा अर्जी में कहा गया है कि मामले में पिछली सुनवाई के बाद कुछ नए घटनाक्रम हुए हैं जिन पर इस न्यायालय को ध्यान देने की आवश्यकता है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि इस तरह के अतिरिक्त कानूनी उपायों को अपनाना स्पष्ट रूप से प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन है, खासकर जब शीर्ष अदालत वर्तमान मामले की सुनवाई कर रही हो।

अग्निपथ योजना: विरोध के बीच योगी की युवाओं से अपील, आप किसी बहकावे में न आएं

लखनऊ। (एजेंसी)।

सेना में भर्ती के लिए सरकार ने अग्नीपथ योजना का ऐलान किया है। इस योजना के तहत सरकार 4 वर्षों के लिए युवाओं को सेना में भर्ती करेगी। उसके बाद उन्हें रिटायर कर दिया जाएगा। अब इसी को लेकर देश के अलग-अलग हिस्सों में विरोध प्रदर्शन हो रहा है। बिहार में इस प्रदर्शन का सबसे ज्यादा असर दिखाई दे रहा है। इन सब के बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं से अपील की है। योगी आदित्यनाथ ने साफ तौर पर कहा है कि अग्नीपथ योजना युवाओं के भविष्य को स्वर्णिम आधार देगी। युवा किसी बहकावे में ना आए।

योगी ने अपने ट्वीट में लिखा कि युवा साथियो, 'अग्निपथ योजना' आपके जीवन को नए आयाम प्रदान करने के साथ ही भविष्य को स्वर्णिम आधार देगी। आप किसी बहकावे में न आएं। माँ भारती की सेवा हेतु संकल्पित हमारे 'अग्निवीर' राष्ट्र की अमूल्य निधि होंगे व उत्तर प्रदेश सरकार अग्निवीरों को पुलिस व अन्य सेवाओं में वरीयता देगी। जय हिंद। बिहार में केंद्र सरकार की सैन्य बलों में भर्ती की नई योजना अग्निपथ' के खिलाफ लगातार दूसरे दिन बृहस्पतिवार को भी विरोध-प्रदर्शन जारी रहा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने रेल मार्ग तथा राजमार्ग पर लकड़ी तथा टायर जलाकर यातायात बाधित किया। प्रदर्शनकारियों ने 'अग्निपथ' योजना को रद्द करने की मांग को लेकर जहानाबाद में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-83 पर टायर जलाए और वहां धरना भी दिया। नवादा रेलवे स्टेशन पर भी प्रदर्शनकारियों ने हंगामा किया। वहां प्रदर्शनकारी सेना में भर्ती की नई व्यवस्था के प्रति अपना विरोध दर्ज कराने के लिए पटरियों पर व्यायाम करते दिखे।

क्या है सेना का अग्निपथ?

तीनों सेनाओं में जवानों की कम समय के लिए भर्ती होगी। सैन्य बलों में जवानों की 4 साल के लिए भर्ती होगी। 17 साल 6 महीने से 21 साल तक के लोग भर्ती होंगे। छह महीने की ट्रेनिंग के बाद सैन्य बलों में शामिल होंगे। जवान साढ़े तीन साल फोर्स में एक्टिव ड्यूटी करेंगे। बाद में 75 फीसदी जवानों को रिटायर कर दिया जाएगा। 25 फीसदी जवानों की एक महीने बाद फिर से भर्ती होगी। भर्ती सेना के तय नियमानुसार ही होगी। मेरिट और चार साल के सेवाकाल के दौरान किए गए प्रदर्शन के आधार पर केंद्रीयीकृत और पारदर्शी मूल्यांकन होगा। 100प्र. उम्मीदवार वालंटियर के तौर पर रेगुलर काडर के लिए आवेदन कर सकते हैं।

अग्निपथ पर बवाल के बीच पीएम नरेंद्र मोदी से युवाओं के संयम की अग्निपरीक्षा मत लीजिए: राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्र सरकार की ओर से थलसेना, नौसेना और वायुसेना में सैनिकों की भर्ती के लिए लाई गई 'अग्निपथ' योजना का विरोध शुरू हो गया है। गुरुवार को बिहार के कई जिलों में सैकड़ों की संख्या में छात्र सड़क पर उतर आए। कई जगहों पर आगजनी की घटना भी देखने को मिली है। केंद्र की 'अग्निपथ' योजना का हो रहे विरोध के बीच कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सरकार पर हमला बोला है। केंद्र सरकार की योजना के विरोध के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बेरोजगार युवाओं की आवाज सुनने और अग्निपथ पर चलने के लिए उनके धैर्य की 'अग्निपरीक्षा' नहीं लेने का आग्रह किया। राहुल गांधी ने ट्वीट किया, 'न कोई रैंक, न कोई पेंशन, न 2 साल से कोई सीधी भर्ती, न 4 साल के बाद स्थिर भविष्य, न सरकार का सेना के प्रति सम्मान। देश के बेरोज़गार युवाओं की आवाज़ सुनिए, इन्हें अग्निपथ पर चला कर इनके संयम की अग्निपरीक्षा मत लीजिए, प्रधानमंत्री जी। वहीं, कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी अग्निपथ योजना को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। प्रियंका गांधी ने ट्वीट कर कहा, 'सेना भर्ती की तैयारी करने वाले युवाओं की आँखों में देशसेवा, माँ-बाप की सेवा, घर परिवार और भविष्य के तमाम सपने होते हैं। नई सेना भर्ती योजना उन्हें क्या देगी? 4 साल बाद न हाथ में नौकरी की गारंटी, न पेंशन की सुविधा नो रैंक, नो पेंशन। प्रधानमंत्री जी युवाओं के सपनों को मत कुचलिए।'

ऊर्जा की कमी को दूर करने के लिए वैकल्पिक ईंधन विकसित करना जरूरी: गडकरी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पारिस्थितिकी, पर्यावरण और विकास के बीच संतुलन बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया है। गडकरी ने बृहस्पतिवार को यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ऊर्जा की कमी की समस्या को दूर करने के लिए वैकल्पिक ईंधन विकसित करना आवश्यक है लेकिन इन मुद्दों पर विकेंद्रित या एकतरफा रुख अपनाना देश के लिए लाभकारी नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि मेथनॉल और एथनॉल का अधिक इस्तेमाल करने और बायोमास, बायो एथनॉल, बायो एलएनजी तथा बायो सीएनजी का उपयोग करने से प्रदूषण में कमी आएगी। गडकरी ने कहा कि भारत को जीवाश्म ईंधन आयात कम करने और हरित हाइड्रोजन तथा एथनॉल निर्यात बढ़ाने के लिए पर्याप्त शोध करने और इसी को ध्यान में रखते हुए आगे का रास्ता तय करने की जरूरत है। गडकरी ने कहा कि 1947 के बाद से ही पूर्ववर्ती सरकारों ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नजरंदाज किया है।

भारत मजबूत और एकजुट आसियान का पूर्ण समर्थन करता है: जयशंकर

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 10 देशों के प्रभावशाली समूह के विदेश मंत्रियों के सम्मेलन में बृहस्पतिवार को कहा कि भारत एक मजबूत, एकजुट, समृद्ध आसियान का समर्थन करता है, जिसकी हिंद-प्रशांत में केंद्रीयता को पूरी तरह से मान्यता प्राप्त है। जयशंकर ने दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि बेहतर तरीके से एक-दूसरे से जुड़े भारत और आसियान विकेंद्रीकृत वैश्वीकरण, लचीली और विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को बढ़ावा देने के लिए अच्छी स्थिति में होंगे।

दक्षिणपूर्व एशियाई देशों के संघ (आसियान) को क्षेत्र में सबसे प्रभावशाली समूहों में से एक माना जाता है तथा भारत, अमेरिका, चीन, जापान और ऑस्ट्रेलिया समेत कई अन्य देश इसके संवाद साझेदार हैं। कोविड-19 महामारी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह खत्म नहीं हुई है और

''जब हम महामारी के बाद बहाली की बात करते हैं'' तो काफी कुछ किया जाना बाकी है। उन्होंने कहा, ''भू-राजनीतिक प्रतिकूलताओं के कारण यह रास्ता और भी कठिन हो गया है, जिसका सामना हमें यूक्रेन के घटनाक्रम और इसके खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा पर पड़े प्रभाव के रूप में देखने को मिला है। इसके कारण उर्वरकों, सामान की कीमतों पर असर पड़ा तथा साजोसामान तथा आपूर्ति श्रृंखला में बाधा आई है।'' जयशंकर ने कहा कि हिंद-प्रशांत पर आसियान के नजरिए और भारत की हिंद-प्रशांत महासागर पहल के बीच मजबूत संयोजन है तथा यह क्षेत्र के लिए दोनों पक्षों के साझा दृष्टिकोण का प्रमाण है।

उन्होंने कहा, ''जिसका हम सामना करते हैं, उस पर भारत-आसियान संबंधों को प्रतिक्रिया व्यक्त करनी चाहिए।'' उन्होंने कहा कि आसियान हमेशा क्षेत्रवाद, बहुपक्षवाद और वैश्वीकरण के प्रकाश स्तंभ के रूप में खड़ा रहा है। उन्होंने कहा कि आसियान ने अपने लिए सफलतापूर्वक एक जगह बना ली है और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक एवं आर्थिक संरचना के लिए नींव तैयार की है। विदेश मंत्री ने कहा कि दुनिया के समक्ष भू-राजनीतिक चुनौतियों व अनिश्चितताओं को देखते हुए आसियान की भूमिका पहले के मुकाबले आज संभवत- कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। जयशंकर ने कहा कि भारत और आसियान द्वारा मौजूदा पहलों को जल्द पूरा करते हुए नयी प्राथमिकताओं की पहचान करना महत्वपूर्ण है।

अयोध्या की मेरी यात्रा कोई राजनीति नहीं, भगवान राम का आशीर्वाद लेने आया हूं: आदित्य ठाकरे

जमू (एजेंसी)।

अयोध्या (उप्र)। शिवसेना नेता एवं महाराष्ट्र के मंत्री आदित्य ठाकरे ने बुधवार को मंदिरों के शहर अयोध्या का दौरा किया। उन्होंने कहा कि उनकी अयोध्या यात्रा राजनीति से जुड़ी नहीं है, वह यहां भगवान राम का आशीर्वाद लेने आए हैं। अयोध्या की धार्मिक यात्रा पर बुधवार को पहुंचे आदित्य ठाकरे ने राजनीति पर बोलने से बचने की कोशिश की, लेकिन राहुल गांधी से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा पूछताछ के सवाल पर कहा, सभी केंद्रीय एजेंसियां प्रचार साहित्य बन गई हैं। अयोध्या में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ठाकरे ने कहा कि अयोध्या भारत की आस्था का केंद्र है।

उन्होंने कहा, ''2018 में हमने यह नारा दिया पहले मंदिर, फिर सरकार और शिवसेना के नारे के बाद मंदिर निर्माण का रास्ता साफ हुआ। अब उच्चतम न्यायालय के आदेश पर राम मंदिर बन रहा है। हम भगवान राम से प्रार्थना करेंगे कि हमें शक्ति प्रदान करें ताकि हम लोगों की बेहतर सेवा कर सकें। हम यहां महाराष्ट्र सदन की स्थापना के लिए अयोध्या में जमीन दिलाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार से बात करेंगे। आदित्य ठाकरे ने बुधवार को अयोध्या का दौरा किया और राम जन्मभूमि मंदिर में पूजा करने से पहले कहा, अयोध्या की मेरी यात्रा कोई राजनीति नहीं है, मैं यहां भगवान राम का आशीर्वाद लेने आया हूं। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, ''हम भगवान राम के भक्त के रूप में अयोध्या आए हैं, यहां साधुओं और संतों द्वारा हमारा गर्मजोशी से स्वागत किया जा रहा है।'' अपनी एक दिवसीय यात्रा पर अयोध्या पहुंचे ठाकरे यहां पूजा अर्चना के अलावा अपनी पार्टी पदाधिकारियों से मुलाकात की। अयोध्या में आदित्य ठाकरे ने हनुमानगढ़ी और राम जन्म भूमि समेत सभी प्रमुख मंदिरों में दर्शन पूजन किये। ठाकरे ने सरयू आरती में भी हिस्सा लिया। आदित्य ठाकरे ने बुधवार की शाम सरयू आरती के बाद ट्वीट किया मां सरयू के दर्शन और संध्याआरती में भाग ले कर एक अलौकिक प्रसन्नता और शांति का अनुभव हुआ।

जयश्रीराम। अपने सिलसिलेवार ट्वीट में ठाकरे ने राम जन्म भूमि के संदर्भ में कहा, विश्व भर के श्री राम भक्तों का सपना साकार होते हुए अपनी आंखों से देखना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। इस कल्पना को रूप देने वाले शिल्पकारों अर्थात इंजीनियरों से भेंट में निर्माण कार्य पर लंबी चर्चा हुई। ठाकरे ने अपना एक वीडियो भी इसी ट्वीट में साझा किया। उन्होंने कहा, राम नगर अयोध्या से ढेर सारा आशीर्वाद मिला और कुछ अविस्मरणीय यादें मिली, आशा है कि बांके बिहारी जी मुझे जल्द ही

वापस बुलाएंगे। इसके पहले एक अन्य ट्वीट में शिवसेना नेता ने कहा, आज अयोध्या में श्री लक्ष्मण किला जाकर भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और सीता मां के दर्शन किये और आशीर्वाद लिया। उन्होंने हनुमान गढ़ी दर्शन पूजन की तस्वीरों को साझा करते हुए एक और ट्वीट किया हनुमानगढ़ी में बजरंग बली जी के दर्शन किये। निस्वार्थ सेवा के प्रतीक, बजरंग बली जी के चरणों में नतमस्तक।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

पाटीदार नेता नरेश पटेल ने राजनीति में आने से इनकार किया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात के पाटीदार नेता नरेश पटेल ने एलान किया कि वह अभी राजनीति में नहीं आ रहे हैं। कांग्रेस की गुजरात इकाई को दिसंबर में होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पटेल के पार्टी में शामिल होने की उम्मीद थी और हाल-फिलहाल में दिल्ली में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए कई दौर की बातचीत हुई थी।

पटेल ने कहा कि हालांकि युवा और महिलाएं उनके सक्रिय राजनीति में आने के पक्ष में हैं, लेकिन समुदाय के बड़े-बुजुर्ग इसके बिल्कुल खिलाफ हैं। पटेल ने राजकोट जिले के खोडलधाम में पत्रकारों से कहा, ''पाटीदार समुदाय के बड़े बुजुर्गों ने मुझसे कहा कि अगर मैं राजनीतिक दल में शामिल होता हूं तो मैं प्रत्येक समुदाय के साथ न्याय नहीं कर पाऊंगा। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि से संबंधित खोडलधाम की कई सामुदायिक परियोजनाएं अब भी पूरी नहीं हुई हैं। मेरा लक्ष्य पहले इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को पूरा करना है।''

उन्होंने कहा, ''इन बातों को ध्यान में रखते हुए मैंने अभी इस वक्त राजनीति में नहीं आने का फैसला किया है। आप कह सकते हैं कि मैंने स्थायी रूप से यह विचार त्याग दिया है। लेकिन कोई नहीं जानता कि भविष्य में क्या होगा।''इस मौके पर पटेल ने सक्रिय राजनीति में शामिल होने की इच्छा रखने वाले सभी समुदायों के युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए खोडलधाम परिसर में 'खोडलधाम राजनीतिक अकादमी' शुरू करने की भी घोषणा की।

गौरतलब है कि ट्रस्ट की एक समिति ने यह पता लगाने के लिए विस्तारपूर्वक सर्वेक्षण किया था कि पटेल के राजनीति में जाने के बारे में समुदाय की क्या राय है। सर्वेक्षण के नतीजों का हवाला देते हुए पटेल ने कहा कि तकरीबन 80 फीसदी युवा और 50 प्रतिशत महिलाएं राजनीति में उनके प्रवेश के पक्ष में हैं। उन्होंने कहा, ''हालांकि, तकरीबन 100 फीसदी बुजुर्गों की राय है कि मुझे राजनीति से दूर रहना चाहिए और मैं उनकी चिंताओं को वाजिब समझता हूं।''

राहुल गांधी से ईडी की पूछताछ : गुजरात कांग्रेस का सरकार पर द्वेषपूर्ण कार्यवाही का आरोप

क्रांति समय,सूरत

नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पूछताछ कर रही है, जिसके विरोध में गुजरात समेत देशभर में कांग्रेस विरोध कर रही है। तीन दिन में ईडी राहुल गांधी से करीब 30 घंटे पूछताछ कर चुकी है और शुक्रवार को फिर बुलाया है। इन सबके के बीच देशभर में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता सड़कों पर और लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं आज गुजरात कांग्रेस के नेताओं ने आज गांधीनगर स्थित राजभवन में राज्यपाल आचार्य देवव्रत से मुलाकात की और उन्हें ज्ञापन दिया। गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रुख जगदीश ठाकोर के नेतृत्व में कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने ईडी द्वारा राहुल गांधी से की जा रही पूछताछ के संदर्भ में राज्यपाल को ज्ञापन दिया और आरोप लगाया कि सरकार बदले की भावना जांच एजंसियों का दुरुपयोग कर रही है।

30224 में से 26094 आवेदन स्वीकृत हुए, 4130 निरस्त किए गए :RTE

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

आरटीई के तहत तीनों राउंड पूरे हो चुके हैं। स्कूल में सिर्फ 1000 बच्चों को कक्षा-1 में प्रवेश नहीं मिलेगा। पहले दौर में 8737 बच्चों को प्रवेश दिया गया था। जिसमें से 8102 बच्चों के अभिभावकों ने निजी स्कूलों में जाकर कक्षा-1 में प्रवेश पक्का कराया। जबकि 42 बच्चों का प्रवेश निरस्त कर दिया गया और 623 बच्चों के अभिभावकों ने प्रवेश की पुष्टि नहीं की। इसके बाद दूसरा राउंड हुआ। दूसरे दौर में 744 बच्चों को प्रवेश दिया गया। जिसमें से 188 बच्चों के माता-पिता ने निजी स्कूल में जाकर कक्षा-1 में प्रवेश की पुष्टि नहीं की। जबकि 12 बच्चों को कैंसिल कर दिया गया है। साथ ही 544 बच्चों के माता-पिता ने प्रवेश की पुष्टि की है। तीसरे दौर में 306 बच्चों को प्रवेश दिया गया और उनमें से 171 बच्चों को स्कूल में कक्षा-1 में प्रवेश मिला। इस तरह तीनों राउंड में 1 हजार बच्चों को स्कूल में प्रवेश नहीं मिला।

डीईओ सूत्रों ने कहा कि अभिभावकों को उनकी पसंद के स्कूलों में प्रवेश नहीं मिला क्योंकि उन्हें यह नहीं मिला। इस बीच, इस साल कुल 30,224 बच्चों ने आरटीई के लिए आवेदन किया। जिसमें से 26,094 बच्चों के आवेदन स्वीकृत हो चुके हैं। जबकि 4130 बच्चों के आवेदन दस्तावेजों के अभाव में नामंजूर कर दिए गए।

पीएम मोदी की माता जी हीरा बा के 18 जून को जन्म दिवस पर वडनगर में विशेष आयोजन

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 17 जून को गुजरात दौरे पर आ रहे हैं और दूसरे दिन यानी 18 जून को उनकी माता जी हीरा बा का जन्म दिन भी है। हीरा बा के जन्म दिन को लेकर खासकर वडनगर में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। हीरा बा के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर को लेकर वडनगर में दिवाली जैसे माहौल है। पीएम मोदी के भाई प्रहलाद मोदी ने बताया कि उनकी माता हीरा बा के जन्म दिवस के अवसर पर वडनगर में नवचंडी यज्ञ का आयोजन किया गया है। वडनगर के हाटकेश्वर मंदिर नवचंडी यज्ञ और सुंदर कांड का पाठ किया जाएगा। शाम को मंदिर में एक संगीत संध्या का भी आयोजन किया गया है। साथ ही परिवार की ओर से भोज का भी आयोजन है। 18 जून को हीरा बा के जन्म दिवस पर वडनगर की सभी स्कूलों के बच्चों को मूंग का हलवा दिया जाएगा। प्रहलाद मोदी ने बताया कि अहमदाबाद के जगन्नाथ जी मंदिर में 18 जून को भोज का आयोजन किया गया है। बता दें कि पीएम मोदी 18 जून को वडोदरा में 21 हजार करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। जानकारी के मुताबिक 17 जून की शाम पीएम मोदी गुजरात पहुंच जाएंगे और गांधीनगर के राजभवन में रात्रि विश्राम करेंगे। संभावना है कि पीएम मोदी 18 जून की सुबह सबसे पहले अपनी माता हीरा बा से मुलाकात करें और उन्हें जन्म दिन की शुभकामनाएं देंगे और उनके आशीर्वाद लेंगे। दूसरी ओर गांधीनगर महानगर पालिका ने शहर के रायसण पेट्रोल पंप से 80 मीटर के रोड को 'पूज्य हीरा बा मार्ग' नाम दिया है। गांधीनगर महानगर पालिका की ओर से कहा गया है कि जिन्होंने अपना समग्र जीवन, त्याग, तपस्या, सेवा और कर्त्तव्य निष्ठा से देश की सेवा की है, ऐसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की माता जी हीरा बा 18 जून को जीवन के 100 वर्ष पूर्ण कर रही हैं। ऐसे में गांधीनगर के लोगों की मांग और उनकी भावनाओं को ध्यान में रखते हुए रायसण पेट्रोल पंप से 80 मीटर के रोड का पूज्य हीरा बा मार्ग के तौर पर नामकरण किया गया है। हीरा बा का नाम सदैव जीवंत रहे और आनेवाली पीढ़ियां उनके जीवन से त्याग, तपस्या, सेवा और कर्त्तव्य निष्ठा से प्रेरणा लें इस उद्देश्य से मार्ग को एक रोड को उनका नाम दिया गया है।